चैत्र कृष्ण पक्ष- 4, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 241 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
07 मार्च 2026 शनिवार

आज का मौसम
35.4 अधिकतम
15.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

न्यूज विंडो

अतिक्रमण हटाने पहुंचे दल पर पथराव, टीआई घायल

गुजरी (धार)। धार जिले के सिरसोदिया गांव में आज सुबह अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। घटना सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है।

अचानक हुए पथराव से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए हाईवे पर भी आवागमन प्रभावित हो गया। धामनोद थाना प्रभारी को टोल एंबुलेंस से धामनोद के लिए रेफर किया गया। पथराव में थाना प्रभारीप्रवीण ठाकरे सहित एक महिला पुलिसकर्मी को चोट आई है।

तिंछा फॉल गए दो युवकों की खाई में गिरने से मौत

इंदौर। इंदौर के करीब तिंछा फॉल घूमने गए दो युवकों की खाई में गिरने से मौत हो गई। युवकों के नाम सुमित और अशोक हैं। पैर फिसलने की वजह से दोनों खाई में गिर गए। सुमित राजीव आवास विहार में रहता था और वॉटर प्लांट में काम करता था। वहीं अशोक आलू प्याज का व्यापार करता था। दोनों ने शराब पार्टी की थी जिसके बाद यह हादसा हो गया।

3 देशों में फैला ड्रग नेटवर्क 10 करोड़ की दवाएं जब्त

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने नेपाल, भारत और श्रीलंका से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 77.60 किलोग्राम हैशिश ऑयल और 2 किलोग्राम चरस बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान दो कार, एक मोटरसाइकिल और एक मछली पकड़ने वाली नाव भी जब्त की गई है।

राजस्थान के सीकर के कई इलाकों में हिली धरती

जयपुर। राजस्थान में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई। इसका सबसे ज्यादा असर सीकर जिले और आसपास के इलाकों में देखा गया। सुबह करीब 6:30 बजे आए इस भूकंप से लोगों में कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया, हालांकि तीव्रता कम होने के कारण कहीं से भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

कटनी के पास मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरे

कटनी। कटनी रेलवे स्टेशन के पास आज कोयले से भरी मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। यह हादसा न्यू कटनी जंक्शन (एनकेजे) और मुख्य रेलवे स्टेशन के बीच बाबाघाट के पास हुआ। इस घटना से रेल यातायात प्रभावित हो गई और इस रूट से गुजरने वाली ट्रेनें प्रभावित हो गईं। सूचना पर रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मालागड़ी के डिब्बों वापस पटरी पर लाने का काम शुरू किया। ट्रेन शहडोल से कोयला लेकर कटनी की ओर आ रही थी।

अवकाश की सूचना

रंगपंचमी के अवसर पर रविवार 8 मार्च को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक सोमवार 9 मार्च को प्रकाशित होगा।
- संपादक

आज का कार्टून

भीषण होती जंग... मिसाइल लॉन्चर-फैक्ट्रियां तबाह करने के लिए बरसेगा गोला-बारूद

आज की रात ईरान पर भारी... अमेरिका ने किया सबसे बड़ा हमला करने का ऐलान

» ईरान के तेहरान में मेहराबाद एयरपोर्ट पर देर रात हवाई हमला

» दावा- ईरान को अमेरिका के बारे में रूस दे रहा खुफिया जानकारी

वाशिंगटन डीसी/ तेहरान, एजेंसी

अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले के एक हफ्ते से अधिक हो गया है और अब अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने आज फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि आज रात ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया जाएगा। इस हमले का मकसद ईरान के मिसाइल लॉन्चर और मिसाइल बनाने वाली फैक्ट्रियों को भारी नुकसान पहुंचाना है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह बिना शर्त सरेंडर के बिना ईरान के साथ कोई डील नहीं करेंगे।

उधर, इजराइल ने तेहरान के मेहराबाद एयरपोर्ट पर हवाई हमला किया, जिसके बाद आग और धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। दूसरी ओर खबर है कि रूस जंग के दौरान ईरान को खुफिया मदद दे रहा है। मॉस्को ने ईरान को मिडिल-ईस्ट में मौजूद अमेरिकी युद्धपोतों और सैन्य विमानों की लोकेशन से जुड़ी जानकारी मुहैया कराई। वॉशिंगटन पोस्ट ने तीन अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि रूस ईरान को ऐसी टारगेटिंग इंटेलिजेंस दे रहा है, जिससे वह अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना सके। वहीं ईरान ने पलटवार करते हुए इजराइल और खाड़ी देशों पर और जवाबी हमले किए। लोकल टाइम के मुताबिक आधी रात के बाद यरुशलम के ऊपर गड़गड़ाहट जैसी आवाजें सुनी गई। राजधानी तेल अवीव के बीचों-बीच, बेन गुरियन एयरपोर्ट और वहां की इजरायली एयर फोर्स पर मिसाइल से धमाके किए। इस हमले में ईरान ने अपनी सबसे खतरनाक बैलिस्टिक मिसाइल खोर्रमशहर-4 को दागा है।

यमन के सना में, ईरान और लेबनान के साथ एकजुटता दिखाते हुए प्रदर्शन किया गया। हूती कार्यकर्ताओं ने अमेरिका और इजराइल के झंडे जलाए।

जमीनी सेना भेजने पर अभी भी असमंजस

ट्रम्प ईरान में जमीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक भेजेंगे या नहीं, इस पर लगातार विरोधाभासी बयान आ रहे हैं। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के सहयोगियों और रिपब्लिकन नेताओं के साथ बातचीत में एक बार फिर इस पर विचार करने की बात कही है। उन्होंने युद्ध के बाद ईरान के भविष्य को लेकर अपनी योजना भी बताई, जिसमें तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तेल के क्षेत्र में सहयोग की संभावना का जिक्र किया गया। सूत्रों के अनुसार ट्रम्प बड़े पैमाने पर जमीनी हमला करने की योजना पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। इसके बजाय वह सीमित संख्या में अमेरिकी सैनिकों को विशेष रणनीतिक मिशनों के लिए भेजने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। हालांकि इस मुद्दे पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

बगदाद एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला

सिक्योरिटी सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार आधी रात के ठीक बाद बगदाद एयरपोर्ट कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया गया, जिसमें एक मिलिट्री बेस और एक अमेरिकी डिप्लोमैटिक जगह शामिल है। एक सिक्योरिटी अधिकारी ने एएफपी को बताया कि एयरपोर्ट पर ड्रोन और मिसाइलों से कई हमले हुए और बताया कि मौके पर एम्बुलेंस भेजी गई। ड्रोन हमले के बाद एयरपोर्ट पर आग लग गई।

हमें पता है कौन किसकी मदद कर रहा है- अमेरिकी रक्षा मंत्री

पेंटागन चीफ ने उन रिपोर्ट पर जवाब दिया जिनमें कहा गया है कि रूस ईरान की मदद कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं से कहा कि इससे ईरान में मिलिट्री ऑपरेशन्स पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है क्योंकि हम उन्हें पूरी तरह से खत्म कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका हर चीज पर नजर रख रहा है। इसे लड़ाई के प्लान में शामिल कर रहा है। जब उनसे उन रिपोर्ट के बारे में पूछा गया कि रूस ईरान की मदद कर रहा है. उन्होंने कहा, अमेरिकी लोग बेफिक्र रह सकते हैं कि उनके कमांडर इन चीफ को अच्छी तरह पता है कि कौन किससे बात कर रहा है और जो कुछ भी नहीं होना चाहिए, चाहे वह पब्लिक में हो या बैक-चैनल हो, उसका सामना किया जा रहा है और उसका सख्ती से सामना किया जा रहा है।

इंसानियत के खिलाफ क्राइम का आरोप

ईरान के संयुक्त राष्ट्र एम्बेसडर ने अमेरिका और इजराइल पर वॉर क्राइम और इंसानियत के खिलाफ क्राइम का आरोप लगाया। अमीर सईद इरावानी ने आरोप लगाया कि वे जानबूझकर देश भर में आम लोगों और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना रहे हैं, जिसमें घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके भी शामिल हैं। इरावानी ने रिपोर्टर्स से कहा ये काम साफ तौर पर वॉर क्राइम और इंसानियत के खिलाफ क्राइम है। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध या तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन दोहराया कि तेहरान अपनी अपने इलाके और अपनी आजादी की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा।

पत्रकार हत्याकांड में राम रहीम बरी

यौन शोषण मामले में अभी जेल में ही रहेगा

चंडीगढ़. एजेंसी

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा के मुखी राम रहीम को बरी कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने 3 आरोपियों कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल की सजा को बरकरार रखा है। इससे पहले 17 जनवरी 2019 को पंचकूला की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने राम रहीम समेत बाकी सभी आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इस हत्याकांड में राम रहीम के साजिशकर्ता होने के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। हालांकि राम रहीम को साध्वियों के यौन शोषण केस में 10 साल कैद की सजा हुई है। इस वजह से राम रहीम को अभी जेल में ही रहना होगा। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति ने अपने अखबार में डेरा से जुड़े कुछ गंभीर आरोपों को प्रकाशित किया था, जिसके बाद वर्ष 2002 में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसको लेकर खूब बवाल मचा था। जिसके बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद मामले में डेरा मुखी सहित अन्य आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ सभी दोषियों ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में अपील दाखिल की थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष और सीबीआई की ओर से बहस की गई। मगर, कोर्ट ने सबूतों को नाकाफी ठहरा दिया। वहीं, कुलदीप, निर्मल और किशन लाल के खिलाफ अदालत ने पाया कि उनके खिलाफ उपलब्ध सबूत और गवाह से उनकी भूमिका स्पष्ट रूप से स्थापित होती है।

यूपी के डिप्टी सीएम मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ. एजेंसी

लखनऊ में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की शनिवार को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान हवा में उनके हेलीकॉप्टर से अचानक धुआं निकलने लगा। इसके बाद हेलीकॉप्टर को अमौसी एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। डिप्टी सीएम मौर्य लखनऊ से कौशांबी जा रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के बाद 50 किलोमीटर दूर बछरावां तक पहुंच गया था। तभी हेलीकॉप्टर का डिस्प्ले बोर्ड अचानक बंद हो गया। जिसके बाद पायलट ने अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की।

जंग से रसोई गैस की किल्लत की आशंका

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े भोपाल में नए दाम 918.50 रुपए

नईदिल्ली/भोपाल. एजेंसी

केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। जिससे अब राजधानी भोपाल में 14.2 किलोग्राम का एलपीजी गैस सिलेंडर अब 918.50 रुपए का मिलेगा। पहले यह 858.50 रुपए का था। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1910.50 रुपए का मिलेगा। वहीं दिल्ली में 14.2 किलोग्राम कीगैस अब 913 रुपए की मिलेगी। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिलेगा। बढ़ी हुई कीमतें आज से ही लागू हो गई है। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस किल्लत की आशंका जताई गई है।

राज्यपाल से मिलने पहुंचे सीएम नीतीश

पटना। बिहार में जारी सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज सुबह अचानक राजभवन पहुंच गए। उन्होंने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से 13 मिनट मुलाकात की। अटकलें लगाई जाने लगी कि वे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान विदाई लेने पहुंचे हैं। बाद में कहा गया कि वे प्रोटोकॉल के तहत मिलने गए थे। राज्यपाल ने सीएम नीतीश कुमार को राज्यसभा से नई पारी की शुरुआत करने पर बधाई दी। बाद में नीतीश कुमार से मिलने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और राज्यसभा उम्मीवार उपेंद्र कुशवाहा सीएम हाउस पहुंचे। उन्होंने सीएम को शुभकामना दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'क्वींस ऑन द व्हील्स' को फ्लैग ऑफ किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास से 'क्वींस ऑन द व्हील्स' के तीसरे संस्करण को फ्लैग ऑफ किया। प्रदेश के समृद्ध व ऐतिहासिक पर्यटन गंतव्यों को देश-दुनिया में प्रचारित करने के उद्देश्य से 25 महिला सुपर बाइकर्स भोपाल से खजुराहो तक विभिन्न पर्यटन स्थलों से होते हुए लगभग 1,400 किलोमीटर लंबी बाइक ट्रेल को पूरा करेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा की यह केवल एक बाइक राइड नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, साहस और मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यटन धरोहर का उत्सव है।

25 महिला बाइकर्स कर रही हैं भोपाल से खजुराहो तक की 1400 किमी लंबी यात्रा

भारत तक आने लगी मिडिल ईस्ट पर ईरानी हमलों की आंच

भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पेट्रोल-डीजल के पर्याप्त भंडार के चलते आपूर्ति पर अभी तक कोई पाबंदी नहीं लगाई है पर घरों में प्रयुक्त एलपीजी के दाम बढ़ाने के साथ ही जो प्रतिबंध लगाएं गए हैं,

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

उससे आने वाले कुछ दिनों में होटल और रेस्टोरेंट का कारोबार तो प्रभावित होगा ही, एलपीजी और एलएनजी पर निर्भर कारखानों के उत्पादन पर भी असर पड़ने का खतरा बढ़ गया है। बेरोजगारी के संकट की आशंका भी बढ़ी है। भारत सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें निर्बाध गैस आपूर्ति के दिशा निर्देश दिए हैं लेकिन जमीनी धरातल पर सरकारी तंत्र उसे कैसे उतारेगा, इसको लेकर कई यक्ष प्रश्न हैं। सूबे के साथ देश के कई नगरों और कस्बों में घरेलू गैस की किल्लत की खबरें आने लगी हैं। इसको लेकर आंदोलन प्रदर्शन भी होने लगें तो उसमें कोई हैरत नहीं होगी। सवाल यह है कि भारत सरकार करे भी तो क्या करे। एलपीजी की आपूर्ति पर उसका सीधा नियंत्रण नहीं है। दरअसल भारत अपने देश में वाहनों के ईंधन के लिए जरूरी यानि 33 -25 मिलियन टन का पचास फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल कतर, यूएआई , सऊदी अरब, कुवैत और ईराक से मंगाता है। यह सब फारस की खाड़ी से निकलकर स्ट्रेट ऑफ हार्मूज के 33 किमी संकरे रास्ते से गुजरता है। खासतौर पर कतर से भारत की सबसे ज्यादा आपूर्ति होती है। कतर में ही रस लफान विश्व का सबसे बड़ा संयंत्र है। ईरान ने उस पर हुए हमलों के पलटवार के तहत अमेरिकी सैन्य बेस वाले इन देशों के सैन्य ठिकानों और एयर बेस के साथ ही इन देशों के तेल संयंत्रों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है जिससे अधिकांश देशों ने अपना तेल उत्पादन कम कर दिया है। कतर ने तो अपने संयंत्र रस लफान को एहतियात के बतौर पूरी तरह से बंद कर दिया है। स्ट्रेट ऑफ हार्मूज से तेल की आवाजाही बुरी तरह बाधित है। सप्लाई चेन के बाधित होने के चलते भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आज से घरेलू गैस सप्लाई को प्रथामिकता देने के लिहाज से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 तथा पेट्रोलियम पदार्थों के उत्पादन के संबंध में 1999 के आदेश के क्लाज 3 और 5 के तहत रेग्लुलेशन संबंधी निर्देश दिए हैं। मंत्रालय के कुशाग्र मित्तल ने कहा है कि आयातित तेल का 99 फीसदी हिस्सा तीनों सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को ही दिया जाए। निर्देश यह है कि कच्चे तेल से पेट्रोल और डीजल बनाने के दौरान निकलने वाले प्रोपेन और ब्यूटेन से जो एलपीजी बनता है, उसकी आपूर्ति घरेलू गैस उपभाक्ताओं को ही मुहैया कराएं। हरेक उपभोक्ता को प्रति माह मात्र एक सिलेंडर दिया जाए। होटल रेस्तरां आदि में प्रयुक्त कमर्शियल गैस सिलेंडर के मौजूदा स्टाक की सप्लाई की छूट तो दी है पर आगामी आदेश तक इसके नए आर्डर बुक नहीं किए जाएंगे। औद्योगिक उत्पादन जैसे बिजली उत्पादन के टर्बाइन के साथ ही सीमेंट, खाद, यूरिया, स्टील, कांच प्लास्टिक और अन्य कैमिकल उद्योगों के लिए आपूर्ति पर पूरी रोक लगा दी गई है। अभी तक तो कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में हाल ही में कई बार वृद्धि की गई थी, लेकिन अब घरेलू गैस सिलेंडर के दाम भी साठ रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा दिए हैं। भारत में कच्चे तेल से वाहनों के ईंधन के साथ ही एलपीजी, एलएनजी तथा घरों में पाइप लाइनों से सीधे सप्लाई होने वाली पीएनजी गैस का उत्पादन भी तेल रिफाइनरी करती हैं। यह सब भारत में दस लाख बैरल प्रतिदिन रूस से होने वाली सप्लाई तक सीमित हो गया है। हालात तभी सुधरेंगे जब ईरान व अमेरिका, इसरायल की जंग रूके या फिर हार्मूज स्ट्रेट से तेल की निकासी को निर्बाध तरीके से कराएं। इसकी नैतिक जिम्मेदारी अमेरिका और इजरायल की है क्योंकि उन्हीं के हमलों से मिडिल ईस्ट पर संकट के बादल मंडराए हैं।

महिला रेलकर्मियों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए रेलवे ने उठाया कदम

मोबाइल से दर्ज होगी यौन उत्पीड़न की शिकायत वुमन्स डे पर रेलवे लॉन्च करेगा 'शाइन' मॉड्यूल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिला रेलकर्मियों को कार्यस्थल पर सुरक्षित और सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड ने एक नई डिजिटल पहल शुरू की है। इसके तहत ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम में 'सेक्सुअल हरासमेंट इंसीडेंट नोटिफिकेशन फॉर एम्पॉवरमेंट (शाइन)' नामक नया मॉड्यूल तैयार किया गया है। शाइन मॉड्यूल की मदद से महिला कर्मचारी अपने मोबाइल फोन के माध्यम से यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायत गोपनीय तरीके से दर्ज करा सकेंगी। रेलवे बोर्ड के अनुसार यह सुविधा पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क में लागू की जाएगी। रेलवे बोर्ड ने जानकारी दी है कि इस नए मॉड्यूल को 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लॉन्च किया जाएगा। इसके क्रियान्वयन के लिए सभी जोनल रेलवे को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि प्रणाली को समय पर लागू किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य महिला कर्मचारियों को सुरक्षित और भरोसेमंद शिकायत तंत्र उपलब्ध कराना है।

मोबाइल से गोपनीय शिकायत दर्ज हो सकेंगी

समिति तक सीधे पहुंचेगी शिकायत

इस मॉड्यूल में दर्ज होने वाली सभी शिकायतें सीधे संबंधित आंतरिक शिकायत समिति के पास ऑनलाइन पहुंचेंगी। शिकायत प्राप्त होने के बाद समिति द्वारा मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित अधिकारी इन मामलों की प्रगति पर लगातार निगरानी रखेंगे, ताकि शिकायतों का समय पर और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

अन्य महिलाएं भी कर सकेंगी शिकायत

बताया गया कि 'शाइन' मॉड्यूल की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल महिला रेलकर्मी ही नहीं बल्कि रेलवे से जुड़े अन्य वर्ग भी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। रेलवे से संबद्ध स्कूलों की छात्राएं, रेलवे परिसरों में आने वाली महिला विजिटर, कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाली महिला कर्मचारी और मजदूर भी इस मॉड्यूल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसके अलावा अधिकृत अधिकारी भी किसी महिला कर्मचारी की ओर से एचआरएमएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने में सक्षम होंगे।

सुरक्षित कार्यस्थल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

रेलवे बोर्ड का मानना है कि यह मॉड्यूल महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। डिजिटल प्रणाली के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की सुविधा से महिलाओं को बिना किसी डर या दबाव के अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा।

शहर के मॉडल ग्राउंड का मामला

पानी की लाइन में मिला मृत केचुआ लोगों ने की कमिश्नर से शिकायत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 34 से ज्यादा जानें जा चुकी हैं। इसके बाद पूरे प्रदेश में पानी को लेकर सरकार से लेकर अफसर तक अलर्ट हुए हैं, लेकिन भोपाल में अब तक हालात नहीं सुधरे हैं। कहीं गंदा पानी आ रहा है तो कहीं टंकी की सफाई नहीं हुई तो कहीं सीवेज से ही पाइप लाइन गुजर रही है। ऐसे में यहां भी इंदौर जैसे हादसे की आशंका है।

ताजा मामला शहर के वार्ड नंबर-9 मॉडल ग्राउंड क्षेत्र में सामने आया है। आईआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। पार्टी के मोहसिन खान ने बताया कि रमजान महीने के दौरान पुराने भोपाल में खराब स्वच्छता, खुले नालों और सीवेज से संबंधित स्वास्थ्य खतरों को लेकर जिम्मेदार अलर्ट नहीं है। इसके अलावा पेयजल आपूर्ति पाइप लाइनों में रिसाव और छेद से पानी के दूषित होने का गंभीर खतरा बढ़ गया है। उन्होंने बताया, पेयजल टंकी से आसपास के कई इलाकों में पेयजल की सप्लाई होती है। ऐसे में इंदौर जैसा हादसा भोपाल में भी हो सकता है। इसलिए निगम को गंभीरता से लेते हुए तुरंत पाइप लाइन और टंकी की सफाई करवाना चाहिए।

खुली पड़ी है पाइप लाइन

रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में पानी की पाइप लाइन को लेकर जब जांच की गई तो उसमें मृत केचुआ मिला। पाइप लाइन लंबे समय से खुली पड़ी है। इस वजह से उसमें गंदगी भर गई है। इसके अलावा पेयजल टंकी की भी महीनों से सफाई नहीं की गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहिसन अली खान पदाधिकारियों के साथ निगम कमिश्नर संस्कृति जैन से मिलें और समस्या के बारे में बताया। कमिश्नर ने समस्या को दूर करने का आश्वासन भी दिया है।

संभागायुक्त ने कहा- सत्र शुरू होने से पहले बांटी जाए किताबें

शैक्षणित सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नया शैक्षणिक सत्र अगले महीने 1 अप्रैल से शुरू होगा। इससे पहले शैक्षणित सत्र की तैयारियों को लेकर बैठकें शुरू हो गई है। जिसमें सरकारी स्कूलों में बच्चों के शाला छोड़ने के मामले बेहद गंभीर हैं। इन्हें रोकने के लिए या कमी लाने के लिए रणनीति बनाकर काम करें। जिसमें ऑनलाइन टीसी जारी करने, कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं में अध्ययरन छात्रों का शत-प्रतिशत, कक्षा 6वीं एवं नवीन कक्षा में प्रवेश सुनिश्चित करने के नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। संभागायुक्त संजीव सिंह ने विभागीय समीक्षा बैठक में संभाग के जिलों के जिला पंचायत सीईओ एवं अन्य अधिकारियों को यह निर्देश दिए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि संकल्प से समाधान का डाटा सभी अधिकारी बनाएं। जिसके अंतर्गत जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड आदि का कार्य आटो मेशन से करें। उन्होंने कहा कि सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी का मुख्य कार्य यह होना चाहिए कि वे फील्ड में जाकर पंचायत स्तर और अपने - अपने विभाग की योजनाओं के कौन-कौन से हितग्राही हैं, उनसे फीडबैक प्राप्त करें। कोई कमियां हो तो उसे तुरंत दूर किया जाना चाहिए। आयुक्त ने कहा कि पहली कक्षा में प्रवेश की विशेष कार्य योजना बनाकर नामांकन में वृद्धि करने के लिए घर-घर सर्वे अभियान, प्रवेश उत्सव का आयोजन, जनजागरूक गतिविधियां, शासकीय योजनाओं का प्रचार - प्रसार एवं गत वर्ष की विद्यालय की उपलब्धियां बताकर काम करें। विकासखंड स्तर पर 1 अप्रैल तक सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण कर पोर्टल पर इंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। 3 से 6 वर्ष आयु के सभी बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करें।

डीईओ कार्यालय के सामने फूटा अभिभावकों का गुस्सा

किताबों का खेल : कवर बदला, लेकिन दाम बढ़े

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में निजी स्कूलों की किताब नीति को लेकर अभिभावकों का गुस्सा खुलकर सामने आ गया। तुलसी नगर स्थित जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय के सामने पालक महासंघ मध्यप्रदेश के बैनर तले बड़ी संख्या में अभिभावक जुटे और निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन हर साल किताबों का नाम और कवर बदलकर वही किताबें ज्यादा कीमत पर बेच रहे हैं, जिससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान अभिभावकों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि शिक्षा के नाम पर निजी स्कूलों में ÷किताबों का कारोबार÷ चल रहा है और इसकी सीधी मार मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रही है।

फीस और किताबों दोनों में मनमानी

प्रदर्शन में शामिल एडवोकेट नीतू त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूल फीस बढ़ाने के साथ-साथ किताबों के जरिए भी अभिभावकों से अतिरिक्त पैसा वसूल रहे हैं। उन्होंने मांग की कि स्कूल केवल सरकार द्वारा स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों का ही उपयोग करें और फीस व किताबों की कीमतों पर सख्त नियंत्रण लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को व्यापार की तरह चलाना बंद होना चाहिए, ताकि

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके।

प्रतिबंधित किताबें चलाने का आरोप

पालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने आरोप लगाया कि कुछ निजी स्कूल प्रतिबंधित किताबें भी चला रहे हैं। उनका कहना है कि 'गरिमा पब्लिकेशन' की एक किताब को जिला शिक्षा अधिकारी पहले ही डुप्लीकेट बताते हुए प्रतिबंधित कर चुके हैं, क्योंकि उसकी एमआरपी में 200 प्रतिशत से अधिक का अंतर पाया गया था। इसके बावजूद कई स्कूलों में वही किताबें पढ़ाई जा रही हैं।

चुनिंदा दुकानों से खरीदने मजबूरी

अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूल विशेष पब्लिकेशन की किताबें केवल चुनिंदा दुकानों पर ही उपलब्ध कराते हैं। इससे अभिभावकों को मजबूरी में तय दुकानों से ही महंगे दामों पर किताबें खरीदनी पड़ती हैं और

कीमत बढ़ी पुरानी किताब नई बताकर कर रहे बिक्री

अभिभावकों ने बताया कि पहले जो किताबें 70-80 रुपये में मिलती थीं, वही किताबें नया कवर और बदला हुआ नाम लगाकर 100 रुपये से ज्यादा में बेची जा रही हैं। उनका कहना है कि किताबों की सामग्री लगभग वही रहती है, लेकिन कवर और संस्करण बदलने के कारण दुकानदार पुरानी किताबें लेने से इनकार कर देते हैं। इससे हर साल नया सेट खरीदना मजबूरी बन जाता है। अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूल हर साल सिलेबस में बदलाव कर देते हैं, जिससे बड़े बच्चों की पुरानी किताबें छोटे भाई-बहनों के किसी काम नहीं आतीं। इससे अभिभावकों का सालाना खर्च हजारों रुपये तक बढ़ जाता है।

अन्य दुकानदारों को व्यापार से बाहर कर दिया जाता है। पालक महासंघ कमल विश्वकर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि किताबों की कीमतों, सिलेबस बदलाव और स्कूलों की मनमानी पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा के नाम पर हो रही इस मनमानी को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भोपाल एक्सप्रेस से ट्रॉली बैग चोरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होली पर अपने घर आ रहे एक व्यक्ति का ट्रॉली बैग चोरी चला गया। इस संबंध में रानी कमलापति जीआरपी ने एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने चोरी गई संपत्ति की कीमत एक लाख रुपए बताई है। पुलिस के अनुसार अनुपम दीक्षित पिता हरिप्रसाद दीक्षित उम्र 29 साल शाहपुरा स्थित बाबडिया कला के रोहित नगर फेज-1 में रहते हैं। अनुपम दीक्षित होली पर अपने घर भोपाल एक्सप्रेस से आ रहे थे। वे हरियाणा के गुडगांव में जॉब करते हैं। उनके पास ट्रॉली बैग था। जिसके भीतर एचपी कंपनी का लैपटॉप, एप्पल कंपनी का आईपेड, कपड़े, दस्तावेज के अलावा नकदी दो हजार रुपए थे। यह सारा सामान उन्हें नहीं मिला।

ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह कल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ब्राह्मण एकता अस्मिता सहयोग संस्कार मंच, जिझौतिया ब्राह्मण समाज और परशुराम सेना के संयुक्त तत्वाधान में कल शाम 4:00 बजे मारुति बिहार मंदिर, अयोध्या नगर अयोध्या बायपास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर फूलों की होली, मंगलाचार, मिलन एवं स्नेहभोज सहित अन्य कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी जाएगी । कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पं. राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य रंगों के स्थान पर पुष्पों की सुगंध से प्रेम, एकता और संस्कारों का संदेश फैलाना है। साथ ही आगामी 18 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा आयोजन की विभिन्न जिम्मेदारियाँ समाजजनों को सौंपी जाएंगी। विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावक अपने बच्चों का बायोडाटा / परिचय विवरण भी साथ लेकर आएं अथवा आयोजन समिति को प्रदान कर सकते हैं, जिससे वैवाहिक पुस्तिका हेतु जानकारी संकलित की जा सके। आयोजनकर्ताओं में मुख्य रुप से पं. राकेश चतुर्वेदी, पं. संदीप तिवारी, पं. प्रेम गुरु, डॉक्टर वंदना मिश्रा और कल्पना रावत शामिल है।

पार्किंग को लेकर चाकू से किया हमला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा में जगह के विवाद पर एक व्यक्ति ने एक ऑटो चालक पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर लिया है। लेकिन, आरोपी की गिरफ्तारी अभी नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार नईम उल्ला पिता वहीद उल्ला उम्र 33 साल इंद्रा नगर में रहते हैं। वे सवारी ऑटो चलाते हैं। नईम उल्ला गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे कपड़ा मार्केट के ऑटो स्टेंड पर सवारी के इंतजार में खड़े थे। तभी वहां पर इंद्रा नगर में रहने वाला शन्नू वहां आया। वह एक टेबल लेकर पहुंचा था। उसका कहना था कि ऑटो वहां से हटाए। वह उस जगह पर दुकान लगाता है। इसके बाद आरोपी शन्नू ने चाकू निकाला और ऑटो में बैठे चालक पर हमला कर दिया इसके अलावा ऑटो को भी नुकसान पहुंचाया।

काली पट्टी बांधकर जेडीए कर रहा छात्रवृत्ति का विरोध

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जुनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) ने छात्रवृत्ति बढ़ोत्तरी को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। सरकार का ध्यानआकर्षित करने के बाद काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन के माध्यम से रविवार को जस्टिस मार्च निकालने की तैयारी की जा रही है। रेजिडेंट डॉक्टरों का कहना है कि सीपीआई आधारित संशोधित स्टाइपेंड लागू नहीं किया गया है। साथ ही अप्रैल 2025 से देय एरियर भी लंबित है। जबकि 1 अप्रैल 2025 से इसे लागू होना था। रेजिडेंट डॉक्टरों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार शासन और प्रशासन से निवेदन किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मामले को लेकर डॉक्टरों ने आंदोलन का अगला चरण भी तय कर लिया है। इस कड़ी में रविवार को प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेज परिसरों में 'जस्टिस मार्च' निकाला जाएगा। वहीं सोमवार से चयनित सेवाओं के बहिष्कार की चेतावनी दी गई है। इस दौरान आपातकालीन सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी ताकि गंभीर मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो। उनका कहना है कि आंदोलन केवल शासन के पूर्व निर्धारित आदेश को लागू कराने और लंबित एरियर के भुगतान की मांग को लेकर है। दरअसल प्रदेश के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत रेजिडेंट डॉक्टरों ने स्टाइपेंड संशोधन लागू नहीं होने को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है।

दुबई से लौटे भोपाल के इंजीनियर, बोले-

मिसाइलों की आवाज से खौफ था; फ्लाइट के दाम तीन गुना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच दुबई से भोपाल लौटे मोहम्मद समी खान ने बताया कि वह पिछले दो वर्षों से दुबई में एमवीपी डिजाइन इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि हालात को लेकर बाहर जितनी चिंता दिखाई दे रही है, वहां आम लोगों की जिंदगी उतनी प्रभावित नहीं है। ऑफिस, मॉल और रेस्टोरेंट सामान्य तरीके से चल रहे हैं, हालांकि सुरक्षा के लिहाज से कुछ जगहों को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। बता दें कि समी शुक्रवार को भोपाल पहुंचे।

समी के मुताबिक दुबई में लोग अपने काम पर जा रहे हैं और शहर की गतिविधियां भी जारी हैं। उन्होंने बताया कि कुछ भीड़भाड़ वाली जगहों को सरकार ने एहतियातन बंद कर रखा है, ताकि लोगों की सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने बताया कि कई बार दूर से मिसाइल गुजरने या धमाके जैसी आवाज सुनाई देती थी। ऐसे समय लोगों में थोड़ी घबराहट जरूर होती थी। हालांकि यूएई सरकार तुरंत मोबाइल पर नोटिफिकेशन भेजकर लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह देती है और स्थिति सामान्य होते ही फिर से सुरक्षित होने का संदेश भी जारी किया जाता है।

घबराने की जरूरत नहीं, सरकार मदद कर रही

दुबई में फंसे लोगों के लिए समी का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक भारतीय और यूएई सरकार दोनों ही लोगों की मदद कर रही हैं। कई जगहों पर रहने की व्यवस्था भी कराई जा रही है, इसलिए लोगों को संयम रखना चाहिए और सही जानकारी के आधार पर ही यात्रा की योजना बनानी चाहिए।

फ्लाइट बुकिंग में सावधानी जरूरी

उन्होंने सलाह दी कि फ्लाइट बुक करते समय लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। यदि संभव हो तो सीधे एयरलाइन कंपनी या किसी एजेंट के माध्यम से जानकारी लें, क्योंकि कई बार फ्लाइट कैंसिल नहीं होती बल्कि उसका समय बदल दिया जाता है। शादी की वजह से लौटना पड़ा जल्दी समी ने बताया कि उनके भारत आने की एक बड़ी वजह उनकी शादी भी है, जो करीब सौ दिन बाद होने वाली है।

फ्लाइट कैंसिल होने से लौटना हुआ मुश्किल

भारत लौटने के अनुभव को साझा करते हुए समी ने कहा कि सबसे बड़ी दिक्कत फ्लाइट्स को लेकर रही। टिकट मिलना मुश्किल था और जो फ्लाइट मिलती थी वह कई बार कैंसिल या रिशेड्यूल हो जाती थी। उनके मुताबिक फ्लाइट का समय बार-बार बदलता रहा, लेकिन आखिरकार उन्हें टिकट मिल गया और वह भोपाल पहुंच पाए। उन्होंने बताया कि इस स्थिति के कारण हवाई टिकट के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। सामान्य दिनों में जिस फ्लाइट का किराया लगभग 900 से 1100 दिरहम होता है, वही टिकट उन्हें करीब 3000 दिरहम में मिला। वहीं चार्टर्ड फ्लाइट का किराया भारतीय मुद्रा में ढाई से तीन लाख रुपए तक पहुंच गया है।

मेट्रो एंकर

रंगपंचमी पर गुलाल मशीनों और पिचकारियों से रंगों की होगी बरसात

रंगों से सराबोर होगा भोपाल, शिव-पार्वती की निकलेंगी झांकियां

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

होली के पांच दिन बाद मनाया जाने वाला रंगपंचमी का पर्व इस वर्ष 8 मार्च को मनाया जाएगा। मान्यता है कि रंगपंचमी के साथ ही होली पर्व का समापन होता है। इस अवसर पर धुलेंडी की तरह रंग-गुलाल के साथ उत्सव मनाया जाएगा और शहर में पारंपरिक चल समारोह भी निकाले जाएंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र महीने के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 7 मार्च को शाम 7 बजकर 17 मिनट से होगी। यह तिथि 8 मार्च को रात 9 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर रंगपंचमी का पर्व रविवार 8 मार्च को मनाया जाएगा।

रंगपंचमी के अवसर पर भोपाल में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक समितियों द्वारा आयोजन किए जाएंगे। हिंदू उत्सव समिति

पुराने शहर में पारंपरिक और भव्य चल समारोह निकालने की तैयारी कर रही है। वहीं नया भोपाल त्यौहार उत्सव समिति द्वारा नए शहर में भी आकर्षक जुलूस निकाला जाएगा। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी और रंगपंचमी संयोजक प्रकाश मालवीय के अनुसार इस बार का चल समारोह पहले से अधिक आकर्षक और भव्य होगा। इसमें भगवा ध्वज, ऊंट, घोड़े, ढोल-ताशे, डीजे और बैंड की धुनों के साथ शहर रंगों के उत्सव में डूबा दिखाई देगा। चल समारोह में कई धार्मिक झांकियां भी शामिल होंगी। इनमें भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती के साथ होली खेलते हुए दिव्य स्वरूप की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

मसान होली व देशभक्ति की झांकी

इस आयोजन में भूत-प्रेतों द्वारा मसान की होली की अनोखी झांकी भी प्रस्तुत की जाएगी, जो पारंपरिक और आध्यात्मिक भाव को दर्शाएगी। इसके अलावा टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय क्रिकेट टीम की विजय की शुभकामनाओं से जुड़ी एक विशेष झांकी भी निकाली जाएगी, जो युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह बढ़ाएगी।

गुलाल मशीनों से रंगों की बरसात

रंगपंचमी के इस भव्य आयोजन में सतरंगी गुलाल मशीनों से आसमान रंगों से सराबोर किया जाएगा। पूरे चल समारोह मार्ग पर पिचकारियों से रंगों की बौछार की जाएगी, जिससे उत्सव का आनंद और भी बढ़ेगा।

सीएम का सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों ने नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त किया।

मप्र में अवैध खनिज परिवहन रोकने नई व्यवस्था

अब 40 ई-चेक पोस्ट से होगी निगरानी, गड़बड़ी पर मोबाइल पर भेजा जाएगा ई-चालान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में अवैध खनिज परिवहन पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार ने तकनीक आधारित नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी की है। प्रदेश में 40 ई-चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां से फिलहाल वाहनों की आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है। इन ई-चेक पोस्ट के माध्यम से खनिज परिवहन में गड़बड़ी पाए जाने पर जल्द ही ऑनलाइन ई-चालान जारी किए जाएंगे। ई-चालान से संबंधित नियम बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं। जैसे ही नियम लागू होंगे, ई-चेक पोस्ट पर दर्ज अनियमितताओं के आधार पर संबंधित वाहन मालिक को सीधे मोबाइल पर ई-चालान भेजा जाएगा।

आधुनिक कैमरे पहचानेंगे वाहनों में लदा खनिज

ई-चेक पोस्ट पर अत्याधुनिक तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं, जो वाहनों में लोड खनिज की पहचान करने में सक्षम होंगे। यह भी पता लगाया जा सकेगा कि वाहन में कौन सा खनिज परिवहन किया जा रहा है। इसके लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जिसे आधुनिक कैमरों से जोड़ा गया है। इस तकनीक की मदद से खनिज परिवहन की पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी और अवैध गतिविधियों को चिन्हित किया जा सकेगा। अवैध परिवहन को रोकने के लिए स्थापित इन ई-चेक पोस्ट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

प्रदेश की 52 फीसदी लाड़ली लक्ष्मियों ने पढ़ाई छोड़ी

6वीं क्लास में एडमिशन आधे हुए; केवल 20% को ही मिल पाएंगे एक लाख रुपए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में सेक्स रेश्यो यानी लिंगानुपात को सुधारने के लिए शिवराज सिंह चौहान ने साल 2007 में लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरु की थी। बेटियों को लखपति बनाने के उद्देश्य से शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई इस योजना में भारी ड्रॉप-आउट हुआ है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि कक्षा 5वीं उत्तीर्ण करने के बाद लगभग 52त्र लाड़लियां पढ़ाई छोड़ रही हैं। इतना ही नहीं, योजना के नियमों के जाल में फंसकर केवल 20त्र बेटियां ही ऐसी बची हैं जो कॉलेज स्तर तक पहुंच पाएंगी और उन्हें योजना की पूरी राशि (1 लाख रुपए) मिल सकेगी।

प्राथमिक से माध्यमिक तक का सफर हुआ आधा– महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बजट सत्र में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, योजना के प्रारंभ से अब तक पंजीयन की तुलना में छात्रवृत्ति लेने वाली बेटियों की संख्या में बड़ा अंतर है।

मिडिल स्कूल में ही दम तोड़ गई उम्मीद– कक्षा 6वीं में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली बालिकाओं की कुल संख्या 13,67,897 है। लेकिन जब हम कक्षा 9वीं के आंकड़े देखते हैं, तो यह संख्या गिरकर 7,06,123 रह जाती है। यानी हाई स्कूल तक पहुंचते-पहुंचते करीब 48त्र बेटियां सिस्टम से बाहर हो गईं। **हायर सेकेंडरी का बुरा हाल:** कक्षा 11वीं में केवल 2,72,443 और 12वीं में मात्र 1,56,378 बेटियां ही छात्रवृत्ति की पात्र बची हैं।

लखपति बनने की दौड़ में 80% बेटियां पिछड़ीं

सरकार ने जो आंकड़े पेश किए हैं, वे बताते हैं कि स्नातक स्तर तक केवल 22,022 बेटियां ही पहुंच पाई हैं। योजना के मुताबिक, 21 साल की उम्र और कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने पर ही लाड़लियों को बड़ी मैच्योरिटी राशि (1 लाख से अधिक) मिलती है। वर्तमान आंकड़ों के हिसाब से कुल पंजीकृत लाड़लियों में से केवल 20त्र से भी कम बेटियां उस अंतिम पायदान तक पहुंचती दिख रही हैं, जहां उन्हें एक लाख 43 हजार की पूरी राशि मिल सके।

क्यों कम हो रही है संख्या?

विभाग ने पंजीयन की संख्या में प्रतिवर्ष होने वाली वृद्धि या कमी का मुख्य कारण योजना में पात्रता को बताया है । नियमानुसार, केवल वही बालिकाएं छात्रवृत्ति की पात्र होती हैं जो कक्षा 5वीं उत्तीर्ण कर 6वीं में प्रवेश लेती हैं और पात्रता की अन्य शर्तें पूरी करती हैं । महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने जवाब में बताया कि, योजना के शुरू होने से अब तक कुल 813.20 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है । हालांकि, विभाग ने उन लाडलियों की जानकारी अभी एकत्रित की है जिन्हें पंजीयन के बावजूद कोई छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई । अब ये जान लीजिए कि लाड़ली योजना में कैसे और कितना लाभ मिलता है।

योजना में पंजीकृत बालिका को इस तरह मिलती है कुल 1 लाख 43 हजार की आर्थिक सहायता

- » कक्षा 6वीं में प्रवेश करने पर : 2 हजार रुपए
- » कक्षा 9वीं में प्रवेश करने पर: 4 हजार रुपए
- » कक्षा 11वीं में प्रवेश करने पर: 6 हजार रुपए
- » कक्षा 12वीं में प्रवेश करने पर: 6 हजार रुपए

ग्रेजुएशन/पोस्ट ग्रेजुएशन या कम से कम दो साल के व्यवसायिक पाठ्यक्रम में एडमिशन लेने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि एडमिशन के पहले और अंतिम साल में दो बराबर किश्तों में दी जाती है। लाड़ली लक्ष्मी बालिका की उम्र 21 साल पूरी होने पर, 12वीं की परीक्षा में शामिल होने पर और बालिका का विवाह शासन द्वारा निर्धारित आयु में होने पर एक लाख रूपए सरकार द्वारा भुगतान करने का प्रावधान है।

मप्र में राजनीतिक नियुक्तियां जल्द होने के आसार

मंडलों के तीन दर्जन नामों की सूची तैयार, मंत्रिमंडल विस्तार अभी नहीं!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर लंबे समय से जारी इंतजार अब खत्म होने वाला है। सत्ताधारी दल के शीर्ष नेतृत्व ने निगम-मंडलों, प्राधिकरणों और विभिन्न सरकारी संगठनों में नियुक्तियों के लिए करीब तीन दर्जन नामों का प्रस्ताव तैयार किया है। यह सूची हाल ही में दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दी गई है। अंतिम मुहर लगने के बाद औपचारिक घोषणा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित सूची में संगठन और सरकार से जुड़े ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी गई है, जो लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन अब तक किसी महत्वपूर्ण दायित्व से वंचित रहे हैं। सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है।

चरणबद्ध होंगी नियुक्तियां– बताया जा रहा है कि नियुक्तियां चरणबद्ध तरीके से की जाएंगी। कुछ प्रमुख निगमों और प्राधिकरणों में पहले चरण में नियुक्ति आदेश जारी हो सकते हैं, जबकि शेष पदों पर बाद में निर्णय लिया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि इन नियुक्तियों से संगठन में उत्साह बढ़ेगा और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी।

लंबे समय से टल रहा निर्णय

बता दें, कि लोकसभा चुनाव के बाद से ही इन नियुक्तियों को लेकर चर्चा चल रही थी। कई बार सूची तैयार होने की बात सामने आई, लेकिन अंतिम निर्णय टलता रहा। अब माना जा रहा है कि इसी माह कभी भी इस संबंध में आधिकारिक रूप से सूची जारी की जा सकती है। भाजपा बचे हुए मोर्चो की कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी, मंडल पदाधिकारियों, एल्डर मैन समेत अन्य पदों पर नियुक्ति के आदेश जल्द जारी करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आगामी नगरीय निकाय और अन्य चुनावों को देखते हुए संगठनात्मक संतुलन बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। ऐसे में इन नियुक्तियों को रणनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक अगले माह

उधर, मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलें जारी हैं। सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल का विस्तार तय माना जा रहा है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी नहीं होगी और इसके लिए करीब दो से तीन महीने का समय लग सकता है। वहीं, मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक अप्रैल में होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हर तीन महीने में नियमित रूप से आयोजित की जा सकती है।

प्रदेश में जमीन विवादों पर नई व्यवस्था

रजिस्ट्री से पहले दिखेगी आपत्ति, संपदा पोर्टल से ऑनलाइन दर्ज होगी शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में जमीन से जुड़े विवादों के लिए अब आपत्ति दर्ज करवाना आसान हो गया है। राज्य सरकार ने संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन सुविधा शुरू कर दी है। जिसके तहत कोई भी किसी भी जिले से जमीन पर आनलाइन आपत्ति दर्ज करवा सकेगा। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को पंजीयन कार्यालय में नहीं जाना पड़ेगा। ऑनलाइन आपत्ति दर्ज होते ही उसका रिकार्ड सब-रजिस्ट्रार के पास उपलब्ध होगा। भविष्य में यदि उस जमीन की रजिस्ट्री कराने कोई उप-पंजीयक कार्यालय पहुंचेगा, तो सिस्टम में दर्ज आपत्ति दिखाई देगी। इसकी सूचना तत्काल संबंधित पक्षों को दी जाएगी।

आपत्ति दर्ज करवाने के लिए यह जरूरी– आपत्ति दर्ज कराने के लिए जमीन की यूनीक ढ्ढष्ठ या रजिस्ट्री नंबर देना अनिवार्य होगा। केवल स्थान, कालोनी या

जमीन का सामान्य विवरण देने पर शिकायत दर्ज नहीं होगी। पंजीयन विभाग के अनुसार जमीन का सटीक रिकॉर्ड यूनीक आईडी या रजिस्ट्री नंबर से ही खोजा जा सकता है।

सब रजिस्ट्रार का निर्णय होगा अंतिम

आपत्ति के साथ लगाए गए दस्तावेजों की वैधता पर अंतिम निर्णय सब-रजिस्ट्रार करेंगे। वे संबंधित अधिनियम के तहत तय करेंगे कि मामले में क्या कार्रवाई की जाए। अधिकारियों के अनुसार पहले कुछ लोग फर्जी कोर्ट आदेश लगाकर आपत्तियां दर्ज करा देते थे। अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और रिकॉर्डेड होने से ऐसी गड़बड़ियों पर रोक लगेगी।

देर रात सीएम हाउस में लगी विधायक कालूहेड़ा की क्लास

सीएम-प्रदेशाध्यक्ष की समझाईश के बाद बोले- सिंहस्थ के कामों में सहयोगी रहूंगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण के विरोध में आंदोलन की धमकी देने वाले उज्जैन उत्तर के बीजेपी विधायक अनिल जैन कालूहेडा को भोपाल तलब किया गया। शुक्रवार देर रात वे भोपाल में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह से मिले। इसके बाद फिर वे सीएम हाउस पहुंचे। सीएम हाउस में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह ने विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा को सिंहस्थ के लिए बनने वाली रोड़ के मामले में दिए गए वक्तव्यों के लिए नाराजगी जाहिर की।

सीएम और संगठन की समझाइश के बाद कालूहेडा ने अपने बयान पर खेद जताया और कहा कि वे अब आगे

सिंहस्थ के कामों में सहयोगी बनेंगे। उनकी तरफ से कोई दिक्कत नहीं आएगी। बस आम जनता से प्रशासनिक अधिकारी चर्चा करके निर्णय लें।

उज्जैन के पिपलीनाका में सड़क चौड़ीकरण बना विवाद– दरअसल, उज्जैन उत्तर से भाजपा विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने शुक्रवार को कहा कि पिपलीनाका क्षेत्र की सड़क का चौड़ीकरण हुआ तो वह रोड पर उतरेंगे। सड़क चौड़ीकरण से कई परिवारों की रोजी-रोटी में दिक्कतें आएंगी, लेकिन अधिकारियों ने ष्टरूको गलत जानकारी दी। विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि मैंने क्षेत्रवासियों को वचन दिया। 24 मीटर की ही रोड होगी, नहीं तो आपका विधायक आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। जन आंदोलन करेंगे। मैं उसका नेतृत्व करूंगा। कलेक्टर से बोला है कि आप सीएम से बात करें।

विधायक बोले- मैं जनता की भावना का सम्मान नहीं कर पा रहा

स्थानीय लोगों को समझाने के बाद विधायक ने कहा, मैंने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से कहा कि पब्लिक की भावना का सम्मान नहीं कर पा रहा हूं। उन्हें कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। शहर में छोटी-छोटी बातों को तूल देना ठीक नहीं है। कुछ बातें इतनी सीरियस होती हैं कि अधिकारी चीफ मिनिस्टर को बता देते हैं। गलत जानकारी भी देते हैं।

एमपी वन भर्ती परीक्षा पर संकट के बादल, आरक्षण रोस्टर को लेकर उठे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (श्वस्क्क) ने मध्य प्रदेश में वन रक्षकों और जेल प्रहरी के 1500 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके लिए आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन यह की भर्ती परीक्षा सवालों के घेरे में है। दरअसल, इस भर्ती में अनुसूचित जाति यानी एससी वर्ग के लिए पद आरक्षित नहीं किए गए है। वन रक्षकों के लिए निकली 728 पदों पर एससी के लिए एक भी पद नहीं है।

अटक सकती है भर्ती परीक्षा– एससी वर्ग के अभ्यर्थियों का कहना है कि ईएसबी के विज्ञापन में आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं किया गया है। जिससे भर्ती परीक्षा अटक सकती है। दरअसल, मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने 1500 से ज्यादा पदों पर सीधी भर्ती निकाली हैं। जिनमें वनरक्षक के 728, जेल प्रहरी के 757 और असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट के लिए 25 पद शामिल है। इन पदों पर सीधी भर्ती होगी। इन पदों पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं।

वनरक्षक के लिए 728 पदों में अनारक्षित वर्ग के लिए 185, एसटी के लिए 84, ओबीसी के लिए 117 और ईडब्ल्यूएस के लिए 48 पद आरक्षित है। एससी वर्ग के लिए एक भी पद आरक्षित नहीं किया गया है।

मेट्रो एंकर | देश का पहला हिल स्टेशन बना

मप्र के पचमढ़ी को 'ग्रीन डेस्टिनेशन ब्रॉन्ज' सर्टिफिकेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व और प्रदेश में रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। जर्मनी के बर्लिन में आयोजित आईटीबी बर्लिन ट्रैवल मार्ट में प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी को प्रतिष्ठित ग्रीन डेस्टिनेशंस ब्रॉन्ज सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। यह प्रमाणन नीदरलैंड स्थित ग्रीन डेस्टिनेशंस फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जाता है, जो ग्लोबल सस्टेनेबल टूरिज्म काउंसिल% से मान्यता प्राप्त संस्था है। पचमढ़ी यह अंतर्राष्ट्रीय गौरव हासिल करने वाला देश का पहला हिल स्टेशन

बन गया है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से उज्जैन कमिश्नर आशीष सिंह ने यह सम्मान प्राप्त किया।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पर्यटन नित नई ऊँचाइयों को छू रहा है। पचमढ़ी को मिला यह %ग्रीन डेस्टिनेशन ब्रॉन्ज% सर्टिफिकेट इस बात का प्रमाण है कि हम पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय संस्कृति को सहेजने में भी अग्रणी हैं। यह उपलब्धि पचमढ़ी को वैश्विक स्तर पर एक सस्टेनेबल टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करेगी, जिससे यहाँ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि यह सम्मान पचमढ़ी में विरासत संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन ऊर्जा और जलवायु संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की वैश्विक पहचान है। इस उपलब्धि के साथ ही अब पचमढ़ी देश के अन्य पहाड़ी पर्यटन स्थलों और इको-टूरिज्म साइट्स के लिए एक रेप्लिकेबल मॉडल (अनुकरणीय मॉडल) के रूप में उभरा है। यह मान्यता प्रदेश में रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म को और अधिक सशक्त बनाएगी।

क्या है 'ग्रीन डेस्टिनेशन' सर्टिफिकेट

'ग्रीन डेस्टिनेशंस' एक अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रम है, जो पर्यटन स्थलों के पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और सामाजिक-सांस्कृतिक संतुलन के आधार पर मूल्यांकन करता है। इसका उद्देश्य पर्यटन को टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। पचमढ़ी का चयन अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर आधारित एक अत्यंत जटिल और सूक्ष्म मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद किया गया। इसके तहत डेस्टिनेशन मैनेजमेंट, प्रकृति एवं परिदृश्य, पर्यावरण और जलवायु, संस्कृति एवं परंपरा, सामाजिक कल्याण और व्यापारिक संचार जैसे 6 प्रमुख विषयों के 75 कड़े मापदंडों पर पचमढ़ी का परीक्षण किया गया।

मजबूत होता रक्षा कवच

भारत तेजी से बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के बीच अपनी रक्षा तैयारियों को लगातार मजबूत कर रहा है। इसी दिशा में हाल ही में रक्षा मंत्रालय द्वारा लगभग 5,083 करोड़ रुपये की एक महत्वपूर्ण रक्षा खरीद को मंजूरी दी गई है। इस फैसले के तहत उन्नत हेलीकॉप्टरों के साथ आधुनिक नौसैनिक एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली को शामिल किया गया है। यह कदम केवल एक सैन्य सौदा भर नहीं, बल्कि भारत की समुद्री सुरक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक निवेश भी है। इस समझौते के अंतर्गत भारतीय नौसेना ने रूस की सरकारी रक्षा निर्यात एजेंसी रोसोबोरॉनएक्सपोर्ट के साथ लगभग 2,182 करोड़ रुपये का करार किया है। इसके जरिए नौसेना को वर्टिकल लॉन्च शितल एयर डिफेंस सिस्टम मिलेगा, जो समुद्र में तैनात युद्धपोतों की सुरक्षा को कई गुना बढ़ा सकता है। वर्तमान समय में जब समुद्री क्षेत्रों में सैन्य गतिविधियां और सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं, ऐसे में यह प्रणाली भारतीय नौसेना के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित हो सकती है। शितल1 एक मध्यम दूरी की नौसैनिक वायु रक्षा प्रणाली है, जिसे रूस की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी एलमाज-एंटे ने विकसित किया है। इसे विशेष रूप से युद्धपोतों के लिए डिजाइन किया गया है ताकि वे दुश्मन के विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोन और एंटी-शिप मिसाइलों जैसे खतरों का तुरंत और प्रभावी तरीके से मुकाबला कर सकें। इस प्रणाली में इस्तेमाल होने वाली 9एम317एमई मिसाइल ठोस ईंधन से संचालित एक तेज इंटरसेप्टर है, जो उच्च गति से लक्ष्य को निशाना बनाकर उसे नष्ट करने की क्षमता रखती है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी ताकत इसकी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता है। यह बेहद कम समय के अंतराल पर लगातार मिसाइलें दाग सकता है और कम दूरी से लेकर लगभग 50 किलोमीटर तक के हवाई खतरों को निशाना बना सकता है। इसके अलावा यह कम ऊंचाई से लेकर कई किलोमीटर ऊपर तक मौजूद लक्ष्यों को भी ट्रैक कर सकता है। युद्ध की स्थिति में यह प्रणाली एक साथ कई लक्ष्यों पर नजर रखते हुए उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता रखती है, जिससे दुश्मन के हवाई हमलों को रोकना आसान हो जाता है। भारत द्वारा इस प्रणाली को चुनने के पीछे तकनीकी और आर्थिक दोनों कारण हैं। सेमी-एक्टिव रडार होमिंग तकनीक के जरिए जहाज के शक्तिशाली रडार लक्ष्य को अधिक सटीक तरीके से पहचान सकते हैं। साथ ही इसकी लागत अपेक्षाकृत कम होने के कारण बड़ी संख्या में मिसाइलों की तैनाती भी संभव हो पाती है, जो किसी भी नौसैनिक अभियान में रणनीतिक बढ़त दिला सकती है।

देशों की सम्प्रभुता दरकिनार कर फैसला करते डोनाल्ड ट्रंप क्या विश्व के प्रेसिडेंट हो गए हैं?

राजीव खंडेलवाल
कर सलाहकार, पूर्व अध्यक्ष, बैतूल नगर सुधार न्यास

कुछ विश्व राजनीति इस समय ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है, क्या विश्व अब ''संस्थाओं'' से नहीं, ''व्यक्ति''(ट्रम्प) से संचालित होगा? क्या वर्ष 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध की राख से जन्मी वैश्विक व्यवस्था ''संयुक्त राष्ट्र संघ'' अब ''वही आसमानी वही सुल्तानी'' 'एकध्रुवीय शक्ति' (अमेरिका) के सामने नतमस्तक हो चुकी है? अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु स्थलों-फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर हमला किया। इस ''पूर्व-निवारक'' हमले को अमेरिका व उसके सहयोगियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बतलाया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की परमाणु सुविधाएं 'पूरी तरह नष्ट' कर दी गई हैं। ''छुद नदी भरि चलि उतराई''। तथापि यही दावा जून 2025 के हमले के समय में भी अमेरिका ने किया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबीओ का बयान बचकाना व चौंकाने वाला है। हमले के दूसरे दिन अर्थात 1 मार्च को कहा कि रूबीओ ने इजराइल की ईरान पर हमले की योजना के कारण ईरान की संभावित प्रतिक्रिया जो ''अमेरिकी पर हमले के रूप में हो सकती थी'', से बचने के लिए यह हमले की कार्रवाई की गई। यानी 'पहले युद्ध करो, बाद में कारण ढूंढो' क्या यही ''नई वैश्विक नीति'' है?

सबसे दुखद व गंभीर तथ्य यह है कि ऐसे समय यह हमला हुआ, जब ओमान के विदेश मंत्री की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम के शांतिपूर्ण उपयोग को लेकर वार्ता न केवल अंतिम चरण में थी, बल्कि उसमें कुछ सफलताएं भी मिल रही थी। ''पीठ पर छुरा मार कर'' रणभूमि में बम गिर रहे थे। इसे कहते हैं- 'हाथ में जैतून की डाली और पीठ पीछे तलवार।' इस हमले में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता ''अयातुल्लाह अली खोमेनेई'' सहित कई शीर्ष सैन्य कमांडर (लगभग 32) मारे गये। 193 सदस्य देशों का अंतरराष्ट्रीय संगठन ''संयुक्त राष्ट्र संघ'' का उद्देश्य विश्व शांति, सुरक्षा और मैत्री-सद्भाव बनाए रखने के साथ ''यू एन चैप्टर'' का उल्लंघन करने पर विभिन्न प्रतिबंधों को लगाने का कार्य भी है। सुरक्षा परिषद यूएनओ की सबसे प्रभावशाली इकाई है। परंतु प्रश्न आज यह उठता है, क्या यह संस्था केवल ''कागजी शेर'' बनकर रह गई है? महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की आवाज, उपस्थिति इस संकट में कितनी प्रभावी रही? ईरान परमाणु हथियार बनाने की क्षमता तक पहुंचा है या नहीं? यह निर्णय क्या संयुक्त राष्ट्र संघ या अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का नहीं होना चाहिए था कि जब वैश्विक संस्थाएं मौन हो जाएं, तो शक्तिशाली राष्ट्र 'न्यायाधीश, जूरी और जल्लाद' तीनों की भूमिका निभाने लगते हैं। ''तुम ही कातिल, तुम ही मुद्दई, तुम ही मुंसिफ'' के प्रतीक वैश्विक तानाशाह अमेरिका यह रवैया नया नहीं है। 'पागल', 'सनकी' ट्रम्प ने अमेरिकन कांग्रेस की स्वीकृति लिए बिना हिटलर व मुसोलनी की तरह अंतरराष्ट्रीय कानून की धज्जियाँ उड़ाते हुए ''आग में घी'' डालकर विश्व को तृतीय विश्वयुद्ध के ''मुहाने'' पर लाकर खड़ा कर दिया।

जब कोई ताकतवर राष्ट्र का प्रमुख यह तय करने लगे कि कौन-सा देश परमाणु शक्ति बने और कौन नहीं; कौन-सा शासन वैध है और कौन नहीं; किसे जीवित रहना है, किसे हटाया जाना है और किसकी छाती पर सवार होना है, तो स्वाभाविक है कि यह प्रश्न उठेगा, क्या वह तानाशाह व्यक्ति स्वयं को ''विश्व का प्रधान'' समझ बैठा है? यह स्थिति वैसी ही है, जैसे किसी समय टेस्ट क्रिकेट में 'विश्व एकादश' बनती थी, जो क्रिकेट खेलने वाले अन्य देशों के साथ खेलती थी। परंतु यहाँ तो एक देश स्वयं को 'अंपायर' भी मान रहा है और 'खिलाड़ी' भी। ईरान का परमाणु हथियार एवं क्षमता: तथ्य क्या कहते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की विभिन्न रिपोर्टों में यह कहा गया है कि ईरान का कोई अघोषित संरचित परमाणु कार्यक्रम नहीं है। उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताया, स्वयं ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने कई बार (2005, 10, 12, 19, में) परमाणु हथियारों को इस्लामिक दृष्टि से 'हराम' (निषेध) बताया था। यदि खुफिया एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्थाओं व हाथ कंगन को आरसी क्या, स्वयं अमेरिका की सीआईए की रिपोर्टें यह कहती हैं कि, ईरान ने परमाणु बम नहीं बनाया है। ''एक नजीर सो दलीलों से बेहतर होती है'', तो फिर युद्ध की घोषणा किस आधार पर?

भारत का संयम या ट्रंप का दबाव: भारत ने आतंकवाद के गंभीर घाव सहे हैं। 26/11 मुंबई हमलों के दोषियों में लश्कर-ए-तैयबा संस्थापक हाफिज मुहम्मद सईद और जैश-ए-मोहम्मद मसूद संस्थापक अजहर जैसे नाम शामिल रहे हैं। 1993 मुंबई बम कांड के मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहिम व टाइगर मेनन का नाम सामने आया। ये सब पाकिस्तान में हैं। बावजूद इसके भारत ने ''छापामार कारवाई'' कर उन्हें इस पृथ्वी से ''अलविदा'' करने का कोई प्रयास नहीं किया बावजूद इस तथ्य के कि ऐसी कार्रवाइयों के अमेरिका सहित विश्व के अनेकोनेक उदाहरण भरे पड़े हैं। 'दादागिरी' की नीति न अपनाने वाले भारत ने विश्व के सबसे बड़े दादा को अपना सबसे बड़ा दोस्त बतलाने में गाहे-बगाहे कभी कोई कमी नहीं की। ''जैसी बहे बयार पीठ पुनि तैसी कीजे'' की इसी दबाव के चलते भारत ने न तो ईरान पर अमेरिका-इसराइल हमले की निंदा की, न ही खोमेनई की हत्या पर एक शब्द भी कहा। लेकिन ईरान द्वारा अरब गल्फ देशों पर किये हमले की निंदा जरूर की। शायद इसलिए कि वहां एक करोड़ से ज्यादा भारतीय रहते हैं। भारत सरकार के ध्यान में शायद यह बात नहीं रही कि ईरान का चाबहार पोर्ट भारत को पाकिस्तान से गुजरे बिना अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों तक सीधी पहुंच प्रदान करता है और ईरान, रूस और यूरोप से जोड़ता है, जिससे व्यापार लागत और समय में 30% तक की कमी आती है। इसी ईरान से भारत पूर्व में रियायती दर पर रुपयो में तेल की खरीदी करता आया रहा है।

'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' की नीति, यदि वैश्विक राजनीति का मंत्र बन जाए, तो संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाएँ कागजी होकर महज औपचारिक मंच बनकर रह जाएँगी। प्रश्न यह नहीं कि ईरान सही है या अमेरिका; बल्कि क्या विश्व में निर्णय अंतरराष्ट्रीय संबंधित संस्थाएं लेंगी या अनाधिकृत स्वयंभू विश्व गुरु व्यक्ति? ऐसी स्थिति में इतिहास लिखेगा 21वीं सदी में व्यक्ति ने व्यवस्था को, शक्ति ने तंत्र को परास्त कर दिया। और तब सचमुच पूछा जाएगा, या क्या डोनाल्ड ट्रंप केवल अमेरिका के राष्ट्रपति थे, या विश्व के भी?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आधुनिक विश्व राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में एलीट नेटवर्क और व्यापक शक्ति का विमर्श

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

आधुनिक विश्व-राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते समय यह प्रश्न बार-बार उठता है कि क्या सत्ता केवल निर्वाचित सरकारों के हाथों में होती है या उसके पीछे ऐसे प्रभाव-समूह भी सक्रिय रहते हैं जिनकी शक्ति औपचारिक संस्थाओं से कहीं अधिक व्यापक होती है। पिछले कुछ दशकों में अनेक शोधकर्ताओं, पत्रकारों और विश्लेषकों ने इस विषय को 'ग्लोबल एलीट नेटवर्क' या 'पावर स्ट्रक्चर' के रूप में समझने का प्रयास किया है। इन नेटवर्कों में वित्तीय संस्थाएं, वैश्विक मंच, बहुराष्ट्रीय कंपनियां, प्रौद्योगिकी कंपनियां, दान संस्थाएं और कभी-कभी खुफिया एजेंसियों से जुड़े प्रभावशाली व्यक्तियों का परस्पर संबंध देखने को मिलता है।

इस संदर्भ में कई संस्थाएँ और घटनाएँ चर्चा के केंद्र में रहती हैं जैसे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का दावोस सम्मेलन, बिल्डरबर्ग ग्रुप की बंद बैठकें, वैश्विक वित्तीय संस्थाएँ जैसे इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक, तथा बड़ी तकनीकी कंपनियाँ जिनका सामूहिक प्रभाव 'बिग टेक' के रूप में जाना जाता है। इन संस्थाओं की भूमिका को समझने के लिए यह ध्यान रखना आवश्यक है कि वैश्विक व्यवस्था केवल आर्थिक लेन-देन का तंत्र नहीं है, बल्कि यह विचारों, नीति-निर्माण और प्रभाव के बहुस्तरीय नेटवर्क से निर्मित होती है। उदाहरण के लिए, दावोस में आयोजित होने वाला वार्षिक सम्मेलन विश्व भर के राजनीतिक नेताओं, कॉरपोरेट प्रमुखों, निवेशकों और नीति विशेषज्ञों को एक मंच पर लाता है। यहां औपचारिक निर्णय नहीं लिए जाते, किंतु नीति-निर्माण की दिशा, आर्थिक प्राथमिकताएँ और वैश्विक सहयोग की रूपरेखा पर चर्चा होती है। इसी प्रकार बिल्डरबर्ग जैसी बैठकें लंबे समय से इस कारण चर्चा में रहती हैं कि वे अत्यंत सीमित और बंद प्रकृति की होती हैं, जहाँ प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच विचार-विमर्श होता है। आलोचकों का तर्क है कि ऐसे मंच वैश्विक नीति पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकते हैं, जबकि समर्थकों का कहना है कि वे केवल संवाद और विचार-विनिमय के मंच हैं। वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का निर्माण भी इसी प्रकार के ऐतिहासिक और संस्थागत नेटवर्क से जुड़ा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद बने ब्रेटन वुड्स ढाँचे ने अंतरराष्ट्रीय वित्त को एक नई संरचना दी। आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं का उद्देश्य वैश्विक आर्थिक स्थिरता, पुनर्निर्माण और विकास को प्रोत्साहित करना था। साथ ही, केंद्रीय बैंकों का नेटवर्क जैसे विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक मुद्रा नीति और वित्तीय स्थिरता के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

इसी व्यापक संदर्भ में एक और विवादास्पद विषय अक्सर सामने आता है अमेरिकी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ा नेटवर्क। एपस्टीन का नाम 2019 में उसकी गिरफ्तारी और बाद में हिरासत में मृत्यु के बाद वैश्विक मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। उसके सामाजिक संबंधों में अनेक उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, राजनेताओं और सांस्कृतिक हस्तियों के नाम सामने आए। इस कारण कई विश्लेषकों ने यह समझने का प्रयास किया कि क्या यह केवल व्यक्तिगत अपराध का मामला था, या इसके पीछे एक व्यापक प्रभाव-तंत्र भी कार्यरत था। कुछ पत्रकारों और शोधकर्ताओं ने यह तर्क दिया कि एपस्टीन ने अपने धन और सामाजिक संपर्कों के माध्यम से एक ऐसा नेटवर्क बनाया जिसमें विज्ञान, मीडिया, राजनीति और दान संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल थे। हालाँकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन दावों और सिद्धांतों के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए। एपस्टीन के अपराधों के संबंध में न्यायिक जांच और मीडिया रिपोर्टों में कई तथ्य सामने आए, किंतु 'डीप पावर स्ट्रक्चर' या वैश्विक खुफिया एजेंसियों से जुड़े कथित नेटवर्क के बारे में अधिकांश दावे अभी भी विवादास्पद या अपुष्ट हैं। उदाहरण के लिए, कुछ विश्लेषकों ने यह अनुमान लगाया कि एपस्टीन ने 'हनी ट्रैप' या ब्लैकमेल नेटवर्क के माध्यम से प्रभावशाली लोगों को नियंत्रित करने का प्रयास किया होगा। इस संदर्भ में कभी-कभी खुफिया एजेंसियों जैसे सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी या मोसाद का नाम भी चर्चाओं में आता है। किंतु अब तक उपलब्ध सार्वजनिक प्रमाण इन दावों को निर्णायक रूप से सिद्ध नहीं करते। इसलिए गंभीर अध्ययन में इन सिद्धांतों को 'विवादास्पद परिकल्पनाएँ' या स्पेक्युलेटिव थ्योरीज़ के रूप में देखा जाता है, न कि स्थापित तथ्य के रूप में। फिर भी यह तथ्य निर्विवाद है कि आधुनिक वैश्विक व्यवस्था में शक्ति केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहती। कॉरपोरेट पूँजी, वित्तीय संस्थाएँ, प्रौद्योगिकी कंपनियाँ और वैश्विक मंच मिलकर एक जटिल प्रभाव-तंत्र बनाते हैं। उदाहरण के लिए 'बिग टेक' कंपनियों ने पिछले दो दशकों में सूचना, डेटा और संचार पर इतना व्यापक नियंत्रण प्राप्त कर लिया है कि उनका प्रभाव कई देशों की नीतियों को प्रभावित कर सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म केवल आर्थिक कंपनियाँ नहीं रह गए हैं; वे सामाजिक संवाद, राजनीतिक विमर्श और सांस्कृतिक प्रवृत्तियों को भी आकार देते हैं। इसी प्रकार वैश्विक बाजार शक्तियाँ जिन्हें कभी-कभी 'ग्लोबल मार्केट फोर्सेज' कहा जाता है नीति निर्माण पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डालती हैं। जब निवेश, ऋण और पूँजी प्रवाह किसी देश की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं, तो सरकारें भी अक्सर उन कारकों को ध्यान में रखकर निर्णय लेती हैं। इस प्रक्रिया में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, निवेश बैंक, हेज फंड और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ एक व्यापक आर्थिक नेटवर्क बनाते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि आधुनिक विश्व व्यवस्था को समझने के लिए केवल राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन पर्याप्त नहीं है। इसके लिए उन अंतरराष्ट्रीय मंचों, वित्तीय संस्थाओं, कॉरपोरेट नेटवर्कों और सामाजिक प्रभाव-समूहों का भी अध्ययन करना आवश्यक है जो वैश्विक स्तर पर निर्णयों को प्रभावित करते हैं। एपस्टीन विवाद, दावोस सम्मेलन, बिल्डरबर्ग बैठकें और वैश्विक वित्तीय संस्थाएँ ये सभी उस व्यापक विमर्श के विभिन्न पहलू हैं जिसे आज 'ग्लोबल एलीट नेटवर्क' या 'वैश्विक शक्ति संरचना' के रूप में समझने का प्रयास किया जा रहा है। यह अध्ययन न केवल राजनीति और अर्थशास्त्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि लोकतांत्रिक पारदर्शिता, जवाबदेही और वैश्विक शासन के भविष्य को समझने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

कान बजने या दर्द की शिकायत बनी रहे तो हो सकता है ईयर इंफेक्शन का संकेत

अगर आपको कान में दर्द, कान बजना, कान में भारीपन जैसी तकलीफ हो रही है तो यह कान में इंफेक्शन का संकेत हो सकता है। ईएनटी डॉक्टर होने के नाते मैं अधिकतर मामलों में इसके पीछे वायरल अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, बैक्टीरियल इंफेक्शन, एलर्जी, कान में पानी जाना जैसे 7 कारण देखता हूं। इन स्थितियों के बेहतर इलाज के लिए ईयर इंफेक्शन के पीछे के कारण को समझना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि ट्रीटमेंट इसी बात पर निर्भर करता है कि कान के इंफेक्शन की शुरुआत कहां से और कैसे हुई है।

कान से जुड़ी एक रोचक जानकारी से अधिकतर लोग अनजान है। आपका कान यूस्टेशियन ट्यूब के जरिए शारीरिक और क्रियात्मक रूप से अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट से जुड़ा होता है। इसलिए जब इस ट्रैक्ट में इंफेक्शन, एलर्जी, कोई रुकावट या चोट जैसी स्थिति आती है तो कान के अंदर बैक्टीरिया या पानी विकसित हो सकता है। इसकी वजह से इंफ्लामेशन और दर्द होने लगता है।

वायरल अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन: मिडिल ईयर इंफेक्शन का सबसे आम कारण सामान्य जुकाम, इंफ्लुएंजा या अन्य वायरल डिजीज देखी जाती हैं, इसे एक्यूट ओटाइटिस मीडिया कहा जाता है। नाक और गले में इंफ्लामेशन आने की वजह से यूस्टेशियन ट्यूब ब्लॉक हो जाती है। यही नली कान के मिडिल हिस्से को गले के पिछले हिस्से से जोड़ती है। इसकी वजह से ईयरड्रम के पीछे पानी जमने लगता है और इंफेक्शन बन जाता है। बच्चों में यूस्टेशियन ट्यूब छोटी और हॉरिजोंटल होने की वजह से इसका खतरा ज्यादा रहता है। अधिकतर वायरल इंफेक्शन खुद ठीक हो जाते हैं, बस इसके लिए हाइड्रेशन, आराम और पैरासिटामोल या आइबूप्रोफेन जैसी सही एनाल्जेसिक दवाओं का ध्यान रखना होता है। अगर दर्द 24 से 72 घंटों से भी ज्यादा रहता है और लगातार गंभीर हो रहा है, साथ में कान से डिस्चार्ज हो रहा है तो डॉक्टर को दिखाना आवश्यक हो जाता है।

बैक्टीरियल इंफेक्शन: कई बार स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया, हीमोफिलस इंफ्लुएंजा जैसे बैक्टीरिया मिडिल ईयर में मौजूद पानी को शिकार बना लेते हैं। इसकी वजह से तेज दर्द, बुखार और कई बार सुनने में परेशानी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। लक्षण गंभीर होने पर एंटीबायोटिक्स लेने की सलाह दी जाती है। हालांकि रेजिस्टेंस को रोकने के लिए एंटीबायोटिक्स के गैरजरूरी इस्तेमाल से बचना चाहिए।

एलर्जी: एलर्जिक राइनाइटिस की वजह से नेजल पैसेज में लगातार सूजन हो सकती है और यूस्टेशियन ट्यूब डिस्फंक्शन हो सकता है। एलर्जी की वजह से कान के बीच वाले हिस्से में बार-बार तरल भरने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। एलर्जी को कंट्रोल करना सबसे जरूरी है। एंटीहिस्टामाइन और नेजल स्टेरॉइड स्प्रे के इस्तेमाल के साथ एलर्जी के कारणों से दूर रहना जरूरी है। अगर बच्चों के कान में बार-बार पानी जमा हो रहा है तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

सुविचार

मेहनत वो सुनहरी चाभी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है।
-अज्ञात

न्यू वेंचर

टेलीकॉम की दिग्गज कंपनियों ने मिलाया हाथ अब भारत में AI वाले 6G नेटवर्क की चर्चा

इस साल क्वालकॉम ने एक गठबंधन या कमेटी तैयार की है, जो कि साल 2029 तक 6त्न को कमर्शियली लॉन्च करने पर काम करेगी। इसमें भारत की जियो और एयरटेल भी हिस्सा हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार 6G, AI से लैस नेटवर्क होगा जो कि खुद अपनी समस्याओं को ठीक कर पाएगा। इससे स्पीड तो बढ़ेगी ही साथ ही AI हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगा।

समय आ गया है कि अब 5G की बातें छोड़कर 6G की चर्चा शुरू की जाए। दरअसल बार्सिलोना में चल रहे MWC 2026 में क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टियानो अमोन ने एक जबरदस्त घोषणा की है। क्वालकॉम ने एक गठबंधन तैयार किया है जिसका मकसद साल 2029 तक 6G सर्विस को बाजार में लाना है। गौर करने वाली बात है कि 6त्न सिर्फ इंटरनेट स्पीड नहीं बढ़ाएगा बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बना देगा। क्वालकॉम की कमेटी में भारत की जियो और एयरटेल भी हिस्सा हैं। इनकी भी कोशिश रहेगी कि भारत में भी 6G पूरी दुनिया के साथ-साथ ही दस्तक दे।

क्वालकॉम का मानना है कि 6G एक AI Native सिस्टम होगा। इसका मतलब है कि यह नेटवर्क खुद सोच-समझ पाएगा। इन नेटवर्क के तीन मुख्य खूबियां होंगी कनेक्टिविटी, सेंसिंग और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग। इसमें ऐसे स्मार्ट रेडियो का इस्तेमाल किया जाएगा जो न सिर्फ सिग्नल देंगे बल्कि आसपास के माहौल को सेंस भी कर पाएंगे।यह नेटवर्क क्लाउड आधारित होगा। AI से लैस होने की वजह से यह खुद अपनी समस्याओं को ठीक कर सकेगा। इससे कॉल ड्रॉप और बफरिंग जैसी समस्याएं हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगी। क्वालकॉम ने 6G के कमर्शियल लॉन्च के लिए एक डेडलाइन तय की है। रिपोर्ट्स के अनुसार 2028 तक 6G के स्टैंडर्ड्स को पूरा कर लिया जाएगा और शुरुआती ट्रायल शुरू हो जाएंगे। सब कुछ सही रहा तो 2029 तक दुनिया भर में कमर्शियल 6G सिस्टम रोलआउट होना शुरू हो जाएगा।

बता दें कि क्वालकॉम के गठबंधन में भारत की जियो और एयरटेल जैसी कंपनियां शुरूआत से ही इसका हिस्सा हैं। इसके अलावा इसमें सैमसंग, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। ये सभी मिलकर एक ऐसा कॉमन बेंचमार्क तैयार कर रहे हैं जिससे 6G पूरी दुनिया में एक जैसा और बेहद तेज काम करे।

गार्डनिंग टिप्स

बगिया में में बड़े साइज के लाल टमाटर उगाने के लिए काम आएगी सरसों की खली से बनी खाद

बगिया में गुच्छों में पके हुए लाल और बड़े साइज के टमाटर उगाना बहुत मुश्किल काम नहीं है। आपको बस पौधे को जरूरी पोषक तत्व देने होंगे। इसके लिए गार्डनिंग एक्सपर्ट कविता जोशी ने सरसों की खली से लिक्विड फर्टिलाइजर बनाने और उसे इस्तेमाल करने का सही तरीका बताया है। कविता जोशी के अनुसार, टमाटर के पौधों की सही देखभाल के लिए नीचे की टहनियों को हटाना और उन्हें बड़े ग्रो बैग में लगाना बहुत जरूरी है ताकि जड़ों को फैलने के लिए पूरी जगह मिल सके। सरसों की खली से बनने वाली खाद टमाटर के पौधों को जबरदस्त पोषण देती है। बस आपको कुछ बातों का भी ध्यान रखना होगा।

लिक्विड खाद बनाने का तरीका: टमाटर के पौधों के लिए सरसों की खली एक शक्तिशाली खाद की तरह काम करती है। इसे बनाने के लिए एक मुट्ठी सरसों की खली लें और उसे एक बाल्टी में लगभग 4 से 5 लीटर पानी डालकर मिला दें। इस मिश्रण को कम से कम 3 दिनों तक भीगने के लिए छोड़ दें। 3 दिनों के बाद, देखेंगे कि पानी का रंग बदल गया है और खली पूरी तरह घुल चुकी है। चूंकि सरसों की खली एक गर्म खाद है, इसलिए इसे सीधे पौधों में कभी नहीं डालना चाहिए। 3 दिन तक भीगे हुए इस घोल को उपयोग करने से पहले, दोबारा 5 लीटर सादे पानी में मिलाकर डाइल्यूट करें। इस तैयार लिक्विड को पौधे की जड़ों के पास मिट्टी में डालें। इस अनुपात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है ताकि पौधे की जड़ों को नुकसान न पहुंचे। खली में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटैशियम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह खाद मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है और पौधों को जरूरी ऊर्जा देती है, जिससे टमाटर का आकार बड़ा होता है और वे गुच्छों में आते हैं। यह पूरी तरह जैविक है, इसलिए फलों की गुणवत्ता और स्वाद भी बेहतरीन रहता है।

खली और पानी का अनुपात सही रखें, खाद ज्यादा गाढ़ी होने पर पौधा जल सकता है। इसे बहुत ज्यादा गर्मी के दिनों में दोपहर के समय डालने से बचना चाहिए। वहीं टमाटर के पौधे की नीचे की स्टेम को हटा दें। इससे पत्तियों के मिट्टी के संपर्क में आने से फंगस लगने का खतरा कम हो जाता है।

टमाटर की देखभाल का सही तरीका: पौधों को ऐसी जगह रखें जहाँ उन्हें ठीक से धूप मिले। टमाटर के लिए बड़े साइज का ग्रो बैग लें। जड़ों को फैलने के लिए जितनी ज्यादा जगह मिलेगी, फ्रूटिंग उतनी ही अच्छी और बड़े साइज की होगी। नीचे की बेकार पत्तियों को समय-समय पर हटाते रहें। यह लिक्विड खाद केवल टमाटर ही नहीं, बल्कि अन्य फल और सब्जियों वाले पौधों के लिए भी फायदेमंद है। आप इसे मिर्च, बैंगन, और फूलों वाले पौधों जैसे गुलाब या गुड़हल में भी डाल सकते हैं। बस ध्यान रहे कि फल और फूल आने की अवस्था में इसका उपयोग करना सबसे ज्यादा प्रभावी होता है।

निशाना

काले गोरे का भेद..!

सुखेन्द्र दशरथ साहू

रंग- गुलाल उड़े है ,जहां में
भर पिचकारी, पकड़े है, बांह में
साजन- सजनी लिए रंग,
हुए संग, मारत किलकारी,झूमे जहां में
जैसे एक सुंदर रंग बनाने कई रंग
घुल - मिल जाते है
जेठ- जेठानी ,सास- बहु सभी रिश्ते
घुल - मिल जाते है
काले - गोरे का भेद ,मिट जाता होली पर
जब लाल - पीले रंग, की पुताई होती गालों पर
रंग - बिरंगे रंग से ,साजन से सजती, सजनी है
होता ऐसा अहसास, की रिश्तों में ,प्रेम वजनी है
राधा संग कान्हा रास ,रचाकर ऐसे मनाए होली
प्रीतम संग प्रियतमा की जोड़ी, सुंदर लगती भोली
तन,सुख,वैभव, सत्ता पाकर हरि को न ,भूल जाना
हुई भूल जो हिरण्यकश्यप,
होलिका जैसे राख में है ,मिल जाना।

श्री मदनमोहन सरकार मंदिर पर भक्तों ने मनाया फूलडोल उत्सव

सिरोंज. श्री मदनमोहन सरकार और गणेश मंदिर गणेश की अथाई पर फूलडोल उत्सव मनाया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों और गुलाल से होली खेली।

सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

विभाग में दो कर्मचारी मिले अनुपस्थित; कारण बताओ नोटिस जारी, मांगा जवाब

नर्मदापुर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर जिला पंचायत के सीईओ हिमांशु जैन ने जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मत्स्य विभाग और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के दो कर्मचारी अपनी-अपनी सीटों पर अनुपस्थित पाए गए।सीईओ जैन ने कुछ देर प्रतीक्षा की, लेकिन कर्मचारी न पहुंचे। उन्होंने कार्यालय के अन्य स्टाफ से अनुपस्थित कर्मचारियों के बारे में जानकारी ली। ड्यूटी समय में लापरवाही पर दोनों को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी कर दिए गए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचें और शासन के निर्देशों का पालन करें। किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बायोमेट्रिक मशीन की कार्यप्रणाली और उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था की भी पड़ताल की।सीईओ जैन ने स्पष्ट किया कि समयबद्ध उपस्थिति और दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को कोई असुविधा न हो। यह कार्रवाई सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है।

न्यूज विंडो

मेडीकल स्टोर से मिली थीं नशे की दवाईयां, लायसेंस केंसिल

सिरोंज। ढाल बाजार स्थित श्रद्धा मेडीकल स्टोर का लायसेंस केंसिल कर दिया गया है। ढाल बाजार स्थित श्रद्धा मेडीकल स्टोर 16 फरवरी को ड्रग इंस्पेक्टर जॉन प्रवीण कजूर ने टीआई विमलेष राय की मौजूदगी में छापा मारा था। जब टीम ने यहां पर जांच की तो बड़ी मात्रा में नषे की दवाईयां मिलीं थी। इन दवाईयों को टीम ने 7 कार्टून में जब्त कर उन्हें थाने पहुंचाया था। जांच के दौरान मेडीकल स्टोर संचालक राजीव जैन दवाईयों के बिल-बाउचर संबधी कोई जानकारी ड्रग इंस्पेक्टर को नहीं दे सके थे। इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर ने दुकान संचालक को 7 दिन में समस्त जानकारी देने का नोटिस दिया था। इसके बाद भी जैन कोई जानकारी ड्रग इंस्पेक्टर को नहीं दे सके। जिसके चलते अब श्रद्धा मेडीकल स्टोर का लायसेंस केंसिल करने की कार्रवाई की गई है। ड्रग इंस्पेक्टर जान प्रवीण कजूर ने बताया कि लायसेंस केंसिल करने की कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया भी शुरू होगी।

केथन और जवारी डैम पर घटोईया बाबा और नौका पूजन कार्यक्रम

सिरोंज। केथन और जवारी डैम पर आयोजित घटोईया बाबा, नौका पूजन एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए गुरूवार को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो सिरोंज आए। वे जलक्षेत्रीय भोई समाज मत्स्य उद्योग सहकारी समिति एवं वीरांगना फूलनेदेवी मत्स्य उद्योग सहकारी समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केथन और जवारी डैम पर पहुंचे। पूजन कार्यक्रम के बाद उन्होंने मांझी समाज के सदस्यों को संबोधित करते हुए उनके वंषानुगत व्यवसाय के लिए शासन द्वारा तैयार की गई नीति की जानकारी दी। विषेष अतिथि माझी मछुआ नाविक श्रमिक संघ के भोपाल संभाग अध्यक्ष इंदरसिंह केवट ने बताया कि करीब 20 साल के बाद सिरोंज के दोनों जलाषयों पर मांझी समाज के सदस्यों को वंषानुगत पट्टा प्राप्त हुआ है। वे 10 साल तक यहां पर मछली पालन और नौकायन कार्य कर अपनी अजीविका चलाएंगे। इस अवसर पर केवट समाज के सदस्यों ने अपनी समस्याओं से भी अतिथियों को अवगत कराया।

रतलाम में डॉग के साथ क्रूरता गाड़ी में पीछे बांधकर घसीटा

रतलाम। रतलाम में डॉगी के साथ क्रूरता का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दो महिलाएं पिल्ले को रस्सी से बांधकर चलती स्कूटी के पीछे बेरहमी से घसीटती दिख रही हैं। पीछे बैठी महिला तड़पते हुए पिल्ले को देख भी रही है। स्थानीय लोगों ने उन्हें रोकने के लिए आवाजें भी लगाईं, लेकिन महिलाओं ने गाड़ी नहीं रोकी। यह घटना शहर की पॉश कॉलोनी लाल बाग के पास की बताई जा रही है, जिसका वीडियो 6 मार्च की रात को सामने आया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जलगंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन बनाएं: कलेक्टर

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना ने जलगंगा संवर्धन अभियान को जनमानस का अभियान बनाने के निर्देश दिए हैं। सभी संबंधित विभागों को पूर्ण तत्परता से कार्य करने और समन्वय बनाए रखने का आदेश दिया गया है।कलेक्टर ने कहा कि अभियान अवधि में पूर्व कार्यों को समयबद्ध पूरा करें तथा जलसंचय जन भागीदारी पोर्टल पर डेटा अपडेट सुनिश्चित हो। प्रत्येक विभाग उत्कृष्ट प्रदर्शन करे और जलमंदिर के अधिक से अधिक कार्य जमीनी स्तर पर लागू हों। रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए नवाचार को प्राथमिकता दें।शासकीय-अशासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए सभी सीएमओ व सीईओ ठोस कार्ययोजना बनाएं। जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने को विशेष प्राथमिकता दें। नदी-नालों की सफाई, घाटों की मरम्मत व स्वच्छता पर जोर दिया।

सतना जिले के चित्रकूट के स्कूल का शर्मनाक मामला

छात्राओं से मसाज करवा रहीं थी प्रधानाध्यापिका, वीडियो वायरल

सतना। दोपहर मेट्रो

चित्रकूट से शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। कर्वी क्षेत्र के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पद के दुरुपयोग और अनुशासनहीनता के आरोप में प्रधानाध्यापिका के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने मामले का संज्ञान लिया है।

मामला कर्वी के नया बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधु कुमारी स्कूल परिसर में कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं, जबकि कुछ छात्राएं उनके पास खड़ी होकर कथित तौर पर मसाज करती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि जिस समय छात्राओं को पढ़ाई में व्यस्त होना चाहिए, उस समय वे शिक्षिका की सेवा में लगी हुई हैं, जबकि प्रधानाध्यापिका मोबाइल फोन का उपयोग करती नजर आ रही हैं। इस दृश्य ने स्कूलों में अनुशासन और शिक्षकों की जिम्मेदारी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

लोगों में आक्रोश, निष्पक्ष जांच कर करें कार्रवाई

वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और अभिभावकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि स्कूल बच्चों की शिक्षा और संस्कार का केंद्र होते हैं। ऐसे में शिक्षकों का इस तरह का व्यवहार न केवल अनुचित है, बल्कि बच्चों के मानसिक और नैतिक विकास पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है। अभिभावकों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित शिक्षिका के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो प्रधानाध्यापिका के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की विभागीय जांच जारी है।

पेयजल पाइपलाइन में बार-बार लीकेज, सप्लाई व्यवस्था पर उठे सवाल

बैतूल। । दोपहर मेट्रो

शहर में गर्मी की शुरुआत होते ही पेयजल सप्लाई व्यवस्था की कमजोरियां सामने आने लगी हैं। शुक्रवार को बाल मंदिर परिसर में बनी पेयजल टंकी से जुड़ी मुख्य पाइप लाइन में लीकेज आ जाने के कारण कई वार्डों में पानी की सप्लाई बंद करनी पड़ी। पाइप लाइन के ज्वाइंट में लगी रबर सील खराब होने से यह समस्या पैदा हुई, जिससे सैकड़ों लीटर पानी व्यर्थ बह गया।

नगरपालिका के कर्मचारियों ने जेसीबी मशीन से खुदाई कर पाइप लाइन तक पहुंच बनाई और वॉल्व खोलकर मरम्मत का काम शुरू किया। हालांकि मरम्मत के बाद सप्लाई बहाल होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन लगातार सामने आ रहे लीकेज के मामले शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। दरअसल, यह पहली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले कॉलेज चौक पर जेसीबी से खुदाई के दौरान पाइप लाइन के वॉल्व में लीकेज हो गया था, जिससे पानी की सप्लाई प्रभावित हुई थी। वहीं गंज क्षेत्र में आबकारी कार्यालय के पास भी पाइप लाइन लीकेज की मरम्मत हाल ही में कराई गई थी। लगातार बढ़ रहे लीकेज के कारण नपा कर्मचारियों पर मरम्मत कार्य का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। शहर में पाइप लाइन नेटवर्क पुराना होने और समय पर रखरखाव नहीं होने की वजह से ऐसी समस्याएं बार-बार सामने आ रही हैं।

पुलिस ने एक ट्रक से 27 मवेशियों को किया बरामद

मंडला।। दोपहर मेट्रो

मंडला के मोहगांव थाना क्षेत्र में बायपास रोड पर फंसे एक ट्रक से पुलिस ने 27 मवेशियों को बरामद किया। उन्हें रस्सियों से बांधकर क्रूरतापूर्वक ट्रक में भरा गया था। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर वाहन और मवेशियों को जब्त कर लिया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आईसर ट्रक बायपास रोड पर फंसा हुआ है। इसमें मवेशियों को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। थाना प्रभारी वेदराम हनोते के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की है।

परिक्रमा के साथ संपन्न हुआ पांच दिवसीय होली महोत्सव

ब्रज की कुंज गलियों में निकले वेदांत के हुरियारे

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

ब्रजभूमि वृंदावन की पावन परिक्रमा उस समय एक जीवंत होरी में बदल गई, जब नगर के वेदांत आश्रम एवं संत जगन्नाथ दास संस्कृत विद्यालय के संस्थापक तथा जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी डॉ. रामकमलाचार्य वेदान्तीजी महाराज भक्तों के साथ राधा-कृष्ण के जयघोष, उड़ते अबीर-गुलाल और पुष्प वर्षा के बीच 12 किलोमीटर की वृंदावन परिक्रमा पर निकले। वेदान्तीजी महाराज के सानिध्य में भक्ति वेदांत मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय होली महोत्सव का उल्लासपूर्ण समापन हुआ।

परिक्रमा के दौरान मार्ग भर ब्रज के हुरियारों ने अबीर-गुलाल उड़ाकर और पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। ढोल-मंजीरे और करताल की मधुर धुनों पर ÷राधे-राधे÷ के जयघोष के साथ भक्तजन संकीर्तन करते हुए आगे बढ़ते रहे। ब्रज की कुंज गलियों में उड़ते अबीर-गुलाल और होरी के पदों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

सुनरख रोड स्थित श्रीजीपुरम के भक्ति वेदांत मंदिर में आयोजित इस महोत्सव के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु वृंदावन परिक्रमा में शामिल हुए। डीजे पर बज रहे ब्रज और होली के गीतों ने उत्साह को और बढ़ा दिया। श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ाते हुए गीतों की धुन पर झूमते रहे, जिससे पूरा वातावरण ब्रजरंग और आनंद से सराबोर हो गया। परिक्रमा के दौरान काशी से आई मां विंध्यवासिनी नृत्य नाटिका एवं इवेंट्स ग्रुप के कलाकारों ने राधा-कृष्ण की विविध लीलाओं की मनोहारी झांकियां प्रस्तुत कीं। भजनों की मधुर धुन पर कलाकारों ने नृत्य कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। अलग-अलग स्थानों पर प्रस्तुत की गई इन झांकियों ने ब्रज की होरी और रास की झलक जीवंत कर दी। कलाकारों की प्रस्तुति देखकर श्रद्धालु राधे-राधे के जयघोष के साथ झूम उठे। महोत्सव के दौरान भक्ति वेदांत मंदिर में भव्य फूलों की होली भी खेली गई, जिसमें लगभग दस कुंतल पुष्पों की वर्षा के बीच श्रद्धालु भक्तिरस में सराबोर हो गए।

मेट्रो एंकर चौकीगवां ग्राम सभा में सांसद ने दी वीबी-जीराम योजना की दी जानकारी

गांव की एकता और निर्विरोध सरपंच चयन लोकतंत्र की मजबूत परंपरा: सांसद दर्शनसिंह

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले कि सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चौकीगवां में वीबी-जीराम कार्यक्रम के तहत आयोजित ग्राम सभा में होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।सांसद ने ग्रामवासियों से संवाद कर वीबी-जीराम के सकारात्मक पक्ष बताए। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास के निर्णय सामूहिक सहमति से लेना और निर्विरोध सरपंच चयन गांव की एकता व लोकतांत्रिक परंपरा का प्रेरणादायक उदाहरण है। पीएम के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास संकल्प व केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में योजनाओं से गांवों को नई गति मिल रही है।सांसद ने सुझाव दिया कि वर्ष में एक दिन गांव से बाहर रहने वाले सभी लोग लौटकर गांव को उत्सव की तरह मनाएं, जिससे एकता व अपनत्व बढ़ेगा। कार्यक्रम में विधायक प्रेमशंकर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य अजीत मंडलोई, नगर पालिका अध्यक्ष रिंकू जैन, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा योगेंद्र राजपूत सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में ट्रैक्टर लेने जा रहे पिता-पुत्र सहित तीन की मौत

गुना। दोपहर मेट्रो

जिले के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र में सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। ट्रैक्टर खरीदने के लिए घर से निकले चार रिश्तेदारों की बाइक को अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया।

जानकारी के अनुसार फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी मुकेश भील (25) अपने परिवार के साथ ट्रैक्टर खरीदने के लिए गुना जाने की तैयारी कर रहा था। मुकेश अपने रिश्तेदारों शंकर भील (45), बाबूलाल (28) और अपने सात वर्षीय बेटे दीपक के साथ एक ही बाइक से गुना के लिए रवाना हुआ था। परिवार में नया ट्रैक्टर आने को लेकर सभी उत्साहित थे, लेकिन रास्ते में ही यह खुशी मातम में बदल गई। बताया जा रहा है कि जब चारों लोग झा गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सभी लोग दूर जा गिरे।

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे पर बंदरों की जान पर खतरा, यात्रियों से सतर्कता की अपील

चालक धीरे चलाएं वाहन और सड़क पर न फेंके खाद्य सामग्री

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर तेंदूखेड़ा से झलौन मार्ग के बीच स्थित नागबाबा के समीप इन दिनों सड़क किनारे बंदरों के झुंडों की मौजूदगी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। तेंदूखेड़ा मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर इस क्षेत्र में प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में बंदर सड़क के दोनों ओर बैठे रहते हैं। यात्रियों और वाहन चालकों की अनजाने में की जा रही लापरवाही इन वन्यजीवों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। दरअसल, हाईवे से गुजरने वाले कई वाहन चालक और राहगीर बंदरों को चना, नमकीन, फल और अन्य खाद्य सामग्री सड़क पर फेंक देते हैं। भोजन के लालच में बंदर जंगल से निकलकर सीधे सड़क पर आ जाते हैं और सड़क पर बिखरी खाद्य सामग्री खाने लगते हैं। इसी दौरान हाईवे पर तेज गति से गुजरने वाले वाहन उनकी चपेट में आ जाते हैं। परिणामस्वरूप आए दिन बंदरों के घायल होने और कई बार भारी वाहनों से कुचलकर उनकी मौत होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे हादसे तेंदूखेड़ा से बगदरी के बीच अक्सर होते हैं। कई बार बंदरों की अचानक सड़क पर चहलकदमी के कारण दोपहिया वाहन चालक भी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

पॉलीथिन निगलने से सेहत पर पड़ता है गंभीर असर

कई लोग खाद्य सामग्री पॉलीथिन में भरकर सड़क किनारे फेंक देते हैं, जिससे बंदर और अन्य वन्यजीव भोजन के साथ पॉलीथिन भी निगल लेते हैं। इससे उनकी सेहत पर गंभीर असर पड़ता है और कई बार असमय मौत तक हो जाती है। साथ ही जंगलों में पॉलीथिन का बढ़ता कचरा पर्यावरण प्रदूषण का कारण बन रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए पर्यावरण प्रेमियों ने चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि सिमटते जंगलों के बीच वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वन विभाग को विशेष पहल करनी चाहिए। हाईवे के इस संवेदनशील क्षेत्र में बड़े-बड़े चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, जिनमें यात्रियों को वन्यजीवों को भोजन न देने तथा पॉलीथिन में खाद्य सामग्री न फेंकने के लिए जागरूक किया जाए।

न्यूज विंडो

मूवी से मिली प्रेरणा, फायनेंस की डिग्री के बाद यूपीएससी में 8वी रैंक

धार। यूपीएससी ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 के फाइनल रिजल्ट जारी कर दिए हैं। टॉप- 10 में मध्यप्रदेश के दो अभ्यर्थी शामिल है, जिसमें धार जिले की कुक्षी विधानसभा के ग्राम बाग निवासी पक्षाल सेक्रेटरी ने 8वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल करके शानदार सफलता प्राप्तम की है। उन्होंने बताया कि इस सफलता के लिए मूवी देखकर मुझे प्रेरणा मिली थी। आदिवासी बाहुल्या धार का नाम देश स्तर पर रोशन किया हैं। छोटी बहन क्रिया जैन ने अमर उजाला को विशेष चर्चा में बताया कि भईया का शुरु से ही फोकस पढाई पर रहा हैं, पिछली दो दीवाली से वे घर नहीं आए थे। त्यौहारों की खुशियां छोडकर पढाई को प्राथमिकता दी। तैयारियों के दौरान ऐसा समय भी आया जब वे रोजाना केवल 3 से 4 घंटे ही सोते थे और दिनभर लाइब्रेरी में पढ़ाई करते थे। एक बार इंटरव्यू से एक दिन पहले उनका पैर मुड़ गया था, फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी व इंटरव्यूत देने पहुंचे थे। पक्षाल के पिता नीलेश जैन ग्राम बाग में ही कपड़ा व्यापारी व मां दीप्ति जैन हाउस वाइफ हैं। पक्षल की सफलता से परिवार में खुशी की लहर है, समाज के लोग व रिश्तेदारों ने भी परिवार को फोन पर शुभकामनाएं प्रेषित की है। पक्षाल वर्ष 2022-23 के आसपास दिल्ली चले गए और वहीं रहकर यूपीएससी की तैयारी की। पहले प्रयास में पक्षाल जैन को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) मिलने की संभावना थी, लेकिन उनका लक्ष्य आईएएस बनना था, इसलिए उन्होंने तैयारी जारी रखी। दूसरे प्रयास में वे प्रीलिम्स में ही रह गए, लेकिन तीसरे प्रयास में उन्होंने शानदार सफलता हासिल करते हुए ऑल इंडिया रैंक 8 प्राप्त की।

वेतन विसंगति और अतिरिक्त कार्य के दबाव से परेशान सीएचओ ने सौंपा ज्ञापन

धार। विभिन्न विकासखंडों में कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर अपनी लंबित मांगों और कार्यस्थल पर आ रही समस्याओं को लेकर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले सीएचओ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का निराकरण जल्द नहीं हुआ तो स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ज्ञापन में सीएचओ ने प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि लंबे समय से रुके हुए परफॉरमेंस बेस्ड इंसेंटिव के शीघ्र भुगतान किया जाए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने वेतन को लक्ष्य या सार्थक आधारित कटौती से मुक्त रखने और समय पर मानदेय भुगतान की बात कही साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य मूलतः रोजगार सहायक, पंचायत सचिव और पीडीएस संचालकों का है, लेकिन वर्तमान में यह काम जबरन उन पर थोपा जा रहा है। इससे आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की 12 प्रकार की मुख्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ग्रुप-ष्ठ मल्टी टास्क वर्कर की कमी के कारण कार्य संचालन में भारी दिक्कतें आ रही हैं। जिला अध्यक्ष डॉ. गबरु चौहान ने बताया कि पूर्व में भी कई बार प्रशासन को इन समस्याओं से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा, प्रोत्साहन राशि का न मिलना और अतिरिक्त कार्यों का जबरन दबाव बनाने से जिले के समस्त सीएचओ खुद को मानसिक रूप से सहाय महसूस कर रहे हैं। स्वास्थ्य कर्मियों ने सीएमएचओं डॉक्टर अनिता सिंगारे को ज्ञापन देते मांग की है कि उनकी जायज मांगों पर शीघ्र विचार कर समाधान निकाला जाए, ताकि वे अपनी सेवाओं को प्रभावी ढंग से जारी रख सकें।

कार ने मारी बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर, घायल जबलपुर रेफर

तारादेही। तारादेही थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोटखेड़ा ग्राम के पास स्थित व्यारमा नदी के पुल के पास एक तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो जाने का घटना सामने आई है। हादसे के बाद कार सड़क छोड़कर पलट गई है जबकि बाइक सवार को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी अनुसार हरि सींग पिता प्रहलाद सिंह लोधी उम्र 48 वर्ष निवासी कोटखेड़ा थाना तारादेही जो कि शाम चार बजे तारादेही से अपने घर वापस कोटखेड़ा जा रहे थ। गांव के बाहर स्थित व्यारमा नदी के पास अंधे मोड़ पर जल निगम के कर्मचारियों की तेज रफ्तार कार और बाइक की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार दूर जा गिरा साथ ही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो कर सड़क किनारे पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर आगे की कार्रवाई की जा रही है बताया जा रहा है कि कार जल निगम की है जिसमें जल निगम के दो कर्मचारी कोटखेड़ा ग्राम पानी की जांच व सप्लाई की जांच करने के लिए पहुंचे थे जहां से वापस आते समय बाइक सवार से टक्कर हो गई तारादेही पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के चनौआ गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा

दो बाइक की टक्कर में ड्यूटी के बाद घर लौट रहे एफआरवी पायलट की मौत, एक गंभीर

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में होली के मौके पर सड़क हादसे की एक दुखद घटना ने झकझोर दिया। गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के चनौआ गांव के पास दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर में डायल-112 के एक ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा ड्यूटी के बाद घर लौट रहे कर्मचारी की जान ले गया।

अस्पताल पहुंचने के पहले ही हो गई मौतसड़क दुर्घटना ने परिवार और सहकर्मियों को गहरा सदमा पहुंचाया है। गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चनौआ गांव के पास बहेरिया-गढ़ाकोटा मार्ग पर रात दो बाइकों के बीच जोरदार भिड़ंत हुई। इस हादसे में गढ़ाकोटा थाने में डायल-112 सेवा के पायलट सौरभ तिवारी की अस्पताल पहुंचने के दौरान मौत हो गई। सौरभ तिवारी सागर के रहने वाले थे और वह रोजाना अप-डाउन किया करते थे। ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर की ओर जा रहे थे। गोवर्धन ढाबे के आसपास पहुंचते ही सामने से आ रही तेज गति वाली दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए गढ़ाकोटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

डाक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल सागर रेफर कर दिया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले या इलाज के दौरान सौरभ तिवारी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर गुरुवार को पीएम कराया। दूसरी बाइक पर सवार युवक का नाम हेमंत बताया जा रहा है, जिसका इलाज जिला अस्पताल में जारी है और उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। गढ़ाकोटा थाना प्रभारी शिवम दुबे ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार प्रमुख वजह नजर आ रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

पांदुर्ना में कबाड़ी की गोदाम में अचानक लगी आग

पांदुर्णा। पांदुर्णा के घनपेठ बायपास पर खड़क नदी के समीप स्थित एक कबाड़ी गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी भीषण थी कि उसका धुआं काफी दूर से भी दिखाई दे रहा था। होली पर्व के कारण उस समय गोदाम बंद थी, इसलिए घटना के वक्त अंदर कोई मौजूद नहीं था। गोदाम संचालक अरुण शेंडे के अनुसार आग में गोदाम में रखा प्लास्टिक, लोहा और अन्य कबाड़ी सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया।

जंगल में मिला था सागर के युवक का शव, तीन आरोपी गिरफ्तार

युवती के इशारे पर प्रेमी और उसके साथी ने की थी चाकू गोदकर युवक की हत्या

सागर। दोपहर मेट्रो

टाईगर रिजर्व में हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस खुलासा हो गया है। युवक की हत्या उसकी प्रेमिका ने ही अपने नए प्रेमी से करवाई थी। पुलिस ने एक युवती सहित दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि गत दिवस मोती नगर थाना क्षेत्र के बाईसा मुहल्ला निवासी विकास पिता मनोहर सिंह राजपूत का शव रहली-जबलपुर रोड पर टाइगर रिजर्व में ग्राम मुहली के जंगल में मिला था।

घटना स्थल पर मिली बाइक के नंबर से मृतक की पहचान 30 वर्षीय विकास सिंह राजपूत के रूप में की गई थी। पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्ट मार्टम कराया और मामला दर्ज कर जांच में लिया। जानकारी के अनुसार मोबाइल कॉल डिटेल्स पुलिस ने हत्या की गुत्थी लगभग सुलझा ली है। बताया जा रहा है कि मामले में एक युवती का नाम सामने आया है जिससे मृतक की बात हुई थी। पुलिस ने शक के आधार पर युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो प्रेम-प्रसंग की कहानी सामने आई और उसने सच उगल दिया। पुलिस को साजिशकर्ता से मुख्य आरोपी व उसके दोस्त की जानकारी लगी। हत्या कराने के लिए एक युवती ने अपने नए प्रेमी को उकसाया था। पूछताछ में सामने आया कि विकास और युवती के बीच 4 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों एक ही फैक्टरी में अगरबत्ती बनाते थे। कुछ समय पहले युवती की नौकरी पोस्ट ऑफिस में लग गई। नौकरी के बाद युवती दमोह में पदस्थ हो गई और वहीं एक अन्य युवक से प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि विकास प्रेमिका से शादी करना चाहता था। लेकिन युवती उससे पीछा छुड़ाना चाहती थी। इसी के बाद हत्या की साजिश रची गई। वारदात के दिन मृतक विकास सिंह राजपूत ने युवती से फोन पर बात की थी जिस पर युवती ने उसे दमोह आने को कहा। वह बाइक से दमोह के लिए रवाना हुआ। युवती का नया प्रेमी अजय यादव अपने दोस्त लल्लू धानक के साथ टाइगर रिजर्व के जंगल में पहुंचा। मुहली गांव के पास दोनों ने विकास को रोका और मारपीट की जंगल जंगल में ले गए और चाकूओं से गोदकर हत्या कर फरार हो गए। एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा ने बताया कि युवती सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। युवती ने अपने वर्तमान प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। उनसे पूछताछ की रही है।

तारण तरण चैत्यालय एवं देव राधा-माधव गेंडा जी ट्रस्ट के विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम क्षेत्र के बड़े बकायादारों द्वारा संपत्तिकर, जलकर, दुकानों का किराया एवं कचरा प्रबंधन शुल्क की बकाया राशि जमा न करने पर सख्ती से कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। शुक्रवार को राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी ने राजस्व टीम के साथ शहर के दो बड़े बकायादारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जैन मंदिर ट्रस्ट कोठा तारण तरण चैत्यालय, जवाहरगंज एवं देव राधा-माधव गेंडा जी ट्रस्ट द्वारा नोटिस दिए जाने के बावजूद संपत्तिकर की राशि जमा न करने पर कुर्की की कार्रवाई की। राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी ने बताया कि श्री जैन मंदिर ट्रस्ट कोठा तारण तरण चैत्यालय, जवाहरगंज वार्ड से संपत्तिकर की 15 लाख 56 हजार 944 रुपए तथा देव राधा-माधव गेंडा जी ट्रस्ट से 18 लाख 97 हजार 174 रुपए की बकाया राशि लंबे समय से जमा नहीं की जा रही थी, जिस पर कुर्की की कार्रवाई की गई है। नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने राजस्व अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि बकाया राशि की वसूली के लिए प्रतिदिन सख्ती से कार्रवाई करें तथा इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। खत्री ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पूर्व संपत्तिकर सहित अन्य करों की बकाया राशि का भुगतान कर नगर निगम को सहयोग करें।

मेट्रो एंकर वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया जारी, तीसरे चरण के टेंडर आज

जेतपुरा ग्रुप पर निर्धारित राशि से 15 करोड़ अधिक की बोली प्राप्त

धार। दोपहर मेट्रो

आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही हैं, एकल समूह के बजाय जिले की दुकानों को ग्रुपों में विभाजित करने का फायदा विभाग को मिलने लगा है। पहले चरण के बाद दूसरे चरण में 90 करोड़ रुपए कीमत की दुकानों का आवंटन हो चुका हैं, अब तीसरे चरण के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए है। 7 मार्च को दोपहर बाद बगदून, बाग, धार क्रमांक-एक, उमरबन, बगडी फाटा, बरमंडल, भैसोला क्षेत्रों के ग्रुपों पर आए फॉर्म खोले जाएंगे। इस चरण में औधोगिक नगरी पीथमपुर का बगदून ग्रुप भी शामिल हैं, जिसका निर्धारित मूल्य ही 20 प्रतिशत बढने पर 68 करोड़ रुपए तय किया गया है। दूसरे चरण के टेंडर ओपन करने के दौरान कलेक्टर प्रिंयक मिश्रा द्वारा गठित जिला स्तरीय टीम व सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी सहित विभागीय आबकारी अमला मौजूद रहा।

दरअसल नई आबकारी नीति के तहत बडे लाइसेंसियों के एकाधिकार को समाप्त करते हुए शराब दुकानों को छोटे समूहों में विभाजित किया गया है। इसके पीछे विभाग की मंशा नीलामी प्रक्रिया में लाइसेंसियों की प्रतिस्पर्धा अधिक करते हुए राजस्व में बढ़ोतरी करना है। करीब दो साल बाद पुन देशी-विदेशी दुकानों को शामिल करते हुए समूह बनाए गए है। जिले में कुल 21 ग्रुप बनाए गए है। इन ग्रुपों में टेंडर तीन चरणों में आमंत्रित किए जा रहे हैं, दूसरे चरण का निष्पादन एक दिन पूर्व हुआ है। कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले चरण में सात ग्रुप शामिल थे, जिसमें से पांच ग्रुप पर कोई फार्म प्राप्त नहीं हुआ है। शेष कुक्षी 44 करोड़ 65 लाख एसआर डिलेट कंपनी व जेतपुरा ग्रुप 45 करोड़ 45 लाख रुपए में गुरुकृपा बायोफ्यूल की अधिकतम बोली टेंडर में प्राप्त होने पर संबंधित फॉर्म को दुकानों का आवंटन हुआ है। शराब दुकानों के माध्यम से राजस्व जुटाने में धार जिला प्रदेश के टॉप-10 जिलों में शामिल हैं। नई आबकारी नीति बनाने का फायदा दूसरे चरण में ही देखने को मिला है। जेतपुरा ग्रुप का तय निर्धारित मूल्य 30 करोड़ रुपए हुआ था, किंतु टैंडर में 15 करोड़ रुपए की अधिक राशि मिलने पर 45 करोड़ में दुकान आवंटित हुई है। सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी ने बताया कि छोटे ग्रुपों में दुकानों का आवंटन करने से नई आबकारी नीति का फायदा मिल रहा है। दो चरणों की टेंडर प्रक्रिया हो चुकी हैं, जिसमें पांच ग्रुपों की दुकानें आवंटित हो चुकी हैं। तीसरे चरण में 7 मार्च को तय समय के बाद टेंडर ओपन करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

महिला एशियाई कप : भारत का सामना जापान की मजबूत टीम से आज

पर्थ। वियतनाम के खिलाफ पिछले ग्रुप मैच में दमदार प्रदर्शन से भारतीय महिला फुटबॉल टीम का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा लेकिन शनिवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप के दूसरे मैच में जापान की मजबूत टीम से होने वाला मुकाबला उसके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। भारत ने ग्रुप सी के शुरूआती मैच में बुधवार को वियतनाम के खिलाफ हूटर से ठीक तीन मिनट पहले %इंजुरी टाइम% में गोल गंवा दिया जिससे उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा और उसने अहम अंक गंवा दिया। वियतनाम 2023 फीफा विश्व कप में खेला था और उनके खिलाफ मैच में पदार्पण कर रही सैनफिडा नोंग्रम के बराबरी गोल से टीम का मनोबल बढ़ा होगा, लेकिन दुनिया की आठवें नंबर और दो बार की चैंपियन टीम जापान पूरी तरह से अलग टीम होगी और भारत से कहीं बेहतर होगी। अब कोच अमेलिया वाल्वरडे का काम अपनी टीम को मजबूत बनाए रखना और रक्षात्मक मजबूती पर काम करना होगा। इसके साथ ही उन्हें जवाबी हमले पर भी ध्यान देना होगा। फीफा विश्व कप 2011 की विजेता टीम जापान ने अपने पिछले मैच में चीनी ताइपे के पेनल्टी क्षेत्र में 87 बार प्रवेश किया था।

ढोंगी बाबा : आमिर की भविष्यवाणी फिर गलत होने पर भड़के सिद्धू, कहा-

सिर्फ भीख मांगने से जीत या खिताब नहीं मिलते, मैदान में लड़ी जाती है जंग

मुंबई, एजेंसी

टी20 विश्वकप 2026 का एक और मैच और पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर की एक और भविष्यवाणी गलत साबित हुई। आमिर ने भविष्यवाणी की थी टीम इंडिया फाइनल में नहीं पहुंचेगी और इंग्लैंड आसानी से जीत हासिल करेगी, लेकिन हुआ उसके बिल्कुल विपरीत। भारत ने जीत हासिल की और न्यूजीलैंड के साथ आठ मार्च को खिताबी भिड़ंत की तारीख तय की। आमिर की इससे पहले सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने वाली भविष्यवाणी भी गलत साबित हुई थी। हालांकि, इतनी गलत भविष्यवाणी के बावजूद यह पाकिस्तानी गेंदबाज बाज नहीं आ रहा। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने आमिर को लताड़ा है और उन्हें ढोंगी बाबा बताया है। सिद्धू ने बातों बातों में पाकिस्तान पर भी तंज कसा और कहा कि सिर्फ भीख मांगने से जीत नहीं मिलती या खिताब नहीं मिलता। खिताब के लिए मैदान पर जंग लड़ी जाती है।

बता दें कि पाकिस्तानी शो %हारना मना है% के दौरान अपनी राय रखते हुए आमिर ने कहा था कि मुंबई की पिच बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार होती है। उन्होंने कहा था, %भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल मैच अच्छी विकेट पर होगा। अगर इंग्लैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी करता है तो उसके जीतने के ज्यादा चांस होंगे, क्योंकि मुंबई में आम तौर पर हाई-स्कोरिंग मैच होते हैं।% उनका मानना था कि इस परिस्थिति में इंग्लैंड के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड के लिए इस पूरे टूर्नामेंट में अब तक फिल सॉल्ट और जोस बटलर ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। अगर उनका बल्ला चला तो यह इंग्लैंड के लिए बोनस होगा। आमिर का मानना था कि इंग्लैंड के गेंदबाज भी अच्छे फॉर्म में हैं और इंग्लैंड के गेंदबाज भी अच्छी बल्लेबाजी कर लेते हैं।

सिद्धू ने दिया करारा जवाब | क्रिकेट में भारत को लेकर आमिर की भविष्यवाणियां अक्सर गलत भी साबित होती रही हैं। इससे पहले भी आमिर ने सुपर-8 मुकाबले में वेस्टइंडीज को भारत पर भारी बताया था, लेकिन भारतीय टीम ने उस मैच में शानदार जीत हासिल की थी। आमिर को अपनी टीम से ज्यादा भारत क्या करता है, उसकी पड़ी है। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर पर तीखा हमला बोला है।

हर बार दावा गलत साबित हुआ | सिद्धू का कहना है कि आमिर लगातार भारत के टूर्नामेंट से बाहर होने की भविष्यवाणी करते रहे, लेकिन हर बार उनका दावा गलत साबित हुआ। सिद्धू का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और क्रिकेट प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में सिद्धू ने उन लोगों पर निशाना साधा जो बार-बार क्रिकेट को लेकर बड़ी-बड़ी भविष्यवाणियां करते हैं।

मेरे हिसाब से ऐसे लोग ढोंगी बाबा हैं

सिद्धू ने आगे कहा, मेरे हिसाब से ऐसे लोग ढोंगी बाबा हैं। पहले कहा गया कि भारत क्वालिफाई नहीं करेगा, सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगा। कहा गया कि वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका आगे जाएंगे। लेकिन जैसे ही संजू सैमसन की वापसी हुई, दोनों टीमें बाहर हो गईं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ भविष्यवाणी का जिक्र करते हुए कहा, कहा गया कि इंग्लैंड सेमीफाइनल जीत जाएगा, लेकिन इंग्लैंड भी बाहर हो गया। मेरा कहना सिर्फ इतना है कि भविष्यवाणियां इन चीजों का फैसला नहीं करतीं। मैच मैदान की जंग में तय होते हैं। भीख मांगकर कोई सिंहासन नहीं मिलता। खाली बर्तन ही सबसे ज्यादा आवाज करते हैं। यही पूरी बात है।

टी-20 विश्व कप क्या अभिषेक को फाइनल में मिलेगी जगह, उठ रहे सवाल

अब तक खामोश रहा है ओपनर का बल्ला

मुंबई, एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय टीम के ओपनर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फाइनल में जगह मिलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लगातार खराब फार्म में चल रहे अभिषेक को लेकर चिंता जताई जा रही है, ऐसे में सवाल हो रहे हैं कि क्या अभिषेक टी-20 विश्वकप के फाइनल में जगह बना पाएंगें। हालाकि संभावना जताई जा रही है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले फाइनल में अंतिम एकादश में बने रहेंगे क्योंकि भारत जीत हासिल करने वाली अपनी टीम में बदलाव नहीं करना चाहता है।

इस टूर्नामेंट में भारत के दो सलामी बल्लेबाजों की किस्मत एकदम से विपरीत रही। जब प्रतियोगिता शुरू हुई तो अभिषेक को शीर्ष क्रम में मजबूत आधार माना जा रहा था जबकि संजू सैमसन के स्थान को लेकर सवाल बने हुए थे, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ के करो या मरो वाले मुकाबले ने परिस्थितियों में काफी बदलाव कर दिया है। सैमसन ने पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे अब सभी का ध्यान अभिषेक की फॉर्म पर केंद्रित हो गया है। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक को पूरे टूर्नामेंट में लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा है। पिछले कुछ मैचों में वरुण चक्रवर्ती के खराब प्रदर्शन को देखकर लग रहा है कि उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी का रहस्य अब सुलझता नजर आ रहा है लेकिन उनके साथी खिलाड़ी अब भी इस लेग स्पिनर को अपनी टीम का तुरुप का इक्का मानते हैं। अगर टीम प्रबंधन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप के फाइनल में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज को टीम में बनाए रखने का फैसला करता है, तो वह भारत के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकते हैं।

बुमराह इस समय सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: ब्रूक

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए भारत के इस तेज गेंदबाज को वर्तमान समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया। बुमराह ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल के आखिरी ओवरों में सटीक यॉर्करों की बौछार से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को हतप्रभ कर दिया। भारत ने यह मैच सात रन से जीता। ब्रूक ने कहा, भारत को हराना आसान नहीं है। उनके पास हर नंबर पर बहुत अच्छे बल्लेबाज हैं। दुर्भाग्य से हमने उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना हम कर सकते थे और कुछ कैच छूटने से हमें नुकसान हुआ। ब्रूक ने बुमराह के बारे में कहा, वह बहुत अच्छा गेंदबाज है, शायद इस समय का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है। वह लंबे समय से बहुत अच्छा गेंदबाज रहा है।

फाइनल में भी मैच विजेता पारी खेलना चाहता हूं: संजू

पिछले दो मैच में शानदार पारियां खेलकर भारत को टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले संजू सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भी मैच विजेता पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सैमसन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने भारत को अहमदाबाद में होने वाले फाइनल में जगह दिलाने में अपना योगदान दिया।

पूरे मैच के दौरान गेंद मेरा पीछा कर रही थी: अक्षर | भारतीय उप कप्तान अक्षर पटेल ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की सात रन की रोमांचक जीत में बेहतरीन क्षेत्ररक्षण का शानदार नमूना पेश किया और उन्होंने कहा कि इस पूरे मैच के दौरान ऐसा लग रहा था मानो गेंद उनका पीछा कर रही हो। अक्षर ने कहा, जब मैंने हैरी ब्रूक का कैच लिया तो वह बहुत अच्छा कैच था। वह मुश्किल कैच था, लेकिन अगर आप मैच की स्थिति और इंग्लैंड के बल्लेबाजों की बल्लेबाजी को देखें तो विल जैक्स का कैच बहुत महत्वपूर्ण था जिससे उनकी साझेदारी टूट गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है इसीलिए मैंने वे दो मैच नहीं खेले (क्योंकि मुझे फाइनल खेलना था)।

फरहान के सबसे ज्यादा रन

पाकिस्तान के साहबजादा फरहान ने छह पारियों में 383 रन बनाकर टी-20 विश्व कप के किसी एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने श्रीलंका और नामीबिया के खिलाफ शतक बनाए। किसी एक टी-20 विश्व कप में यह कारनामा करने वाले वह पहले बल्लेबाज हैं। एनगिडी ने सात मैचों में 12 विकेट लिए हैं, जबकि उनके कप्तान मार्क्रम ने आठ मैचों में तीन अर्धशतक की मदद से 286 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र ने बल्ले और गेंद दोनों से अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने अब तक आठ मैचों में 128 रन बनाए हैं और 11 विकेट लिए हैं।

अमेरिका का खिलाड़ी भी दौड़ में

अमेरिका भले ही ग्रुप चरण से बाहर हो गया, लेकिन तेज गेंदबाज वैन शाल्कविक ने गेंदबाजों के लिए एक मिसाल पेश की। उन्होंने केवल चार मैच में 13 विकेट लिए। विकेटकीपर बल्लेबाज सीफर्ट ने न्यूजीलैंड को टी-20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आठ मैचों में 274 रन बनाए हैं। टूर्नामेंट का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

गुकेश ने गुईजारो पर जीत से सूखा खत्म किया, अरविंद ने दूसरा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराकर जीत का सूखा खत्म किया। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने चेक गणराज्य के डेविड नवारा को हराकर संयुक्त दूसरा स्थान हासिल कर समापन किया। टूर्नामेंट में पहले लगातार ड्रॉ और तीन हार के बाद गुकेश ने आखिरकार जीत दर्ज की।

उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव (छह अंक) ने अमेरिका के हैंस मोके नीमन के खिलाफ सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ के बाद टूर्नामेंट जीत लिया। इससे पहले उन्होंने फरवरी में टाटा स्टील मास्टर्स जीता था। उन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां बिना हारे तीन जीत और छह ड्रॉ हासिल किए। ईरान के परहम मघसूदलू, हॉलैंड के जोर्डन वान फोरेस्ट और अरविंद ने पांच अंक से संयुक्त दूसरा स्थान हासिल किया। नवारा और उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक याकूबोव 4.5 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। ये जर्मनी के विंसेंट कीमर और नीमन से आधा अंक आगे थे। गुकेश और गुइजारो 10 खिलाड़ियों के राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रहे। चैलेंजर वर्ग में आखिरी दिन भारतीयों के लिए और भी अच्छी खबर आई जिसमें दिव्या देशमुख ने चेक गणराज्य की हरबेक स्टीफन को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रैंडमास्टर सूर्य शेखर गांगुली ने भी अपनी अंतिम बाजी में हंगरी के हायर रेटेड बेंजामिन ग्लेडुरा

शेखावत ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में बढ़त हासिल की

नयी दिल्ली। भावेश शेखावत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स टी3 में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के पहले चरण के बाद बढ़त हासिल की। राजस्थान के इस निशानेबाज ने पहले चरण की तीनों सीरीज में कुल 294 का स्कोर बनाया। तीन सीरीज में उनका स्कोर 99, 99 और 96 रहा। ओलंपियन अनीश भानवाला 291 (97,98,96) के कुल स्कोर के साथ दूसरे और राजकंवर सिंह संधू 291 (96,98,97) के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। राष्ट्रीय चैंपियन सूरज शर्मा ने 290 (98,95,97) अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। इस प्रतियोगिता में शनिवार को 10 मीटर राइफल के क्वालीफाइंग और फाइनल मुकाबले होंगे। इसी दिन 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का दूसरा चरण और फाइनल होगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

परफेक्ट दिखने के प्रेशर पर भड़कीं संदीपा धर, बोलीं-

थोपना बंद करें ब्यूटी स्टैंडर्ड्स

हाल ही में रिलीज हुई रोमांटिक ड्रामा फिल्म %दो दीवाने शहर में% एक्ट्रेस संदीपा धर ने मृणाल ठाकुर की बड़ी बहन नैना का रोल किया है। यह फिल्म कलरिज्म जैसे टॉपिक पर बात करती है, साथ ही पहले से बने ब्यूटी स्टैंडर्ड को भी तोड़ती है। संदीपा और मृणाल के कैरेक्टर को इस तरह से बनाया गया है कि वे सभी स्टीरियोटाइप को तोड़ते हैं। संदीपा ने नैना का रोल करने और उन महिलाओं की आवाज बनने के बारे में खुलकर बात की, जो तुलना, उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रेशर और भारी महसूस होने पर भी ब्यूटी स्टैंडर्ड को पूरा करने के बोझ तले दबी हुई हैं।

संदीपा ने आगे इस पर भी रिएक्ट किया कि क्या एक्ट्रेस को एक खास तरह से दिखने के लिए एक्स्ट्रा प्रेशर झेलना पड़ता है, जिससे ऑडियंस इंस्पायर हो सके?

संदीपा ने कहा, नैना, एक परफेक्ट महिला होने के बावजूद शादी के बाद अपना सेल्फ-कॉन्फिडेंस खो देती है। वह डाइट के इस कभी न खत्म होने वाले चक्कर में फंसी हुई है, जिसका हम सभी अपनी जिंदगी में कभी न कभी हिस्सा रहे हैं। वह सुंदर दिखने और वैलिडेशन पाने की कोशिश कर रही है। उसे लगातार कुछ करने की जरूरत है ताकि वह बेहतर दिख सके और उसकी तारीफ हो सके।% एक्ट्रेस ने आगे कहा, %आज के समय में यह बहुत रिलेटेबल है। हम सब Instagram ऐड देख रहे हैं, जहां लोग एजिंग को डिफेंड करने, बेहतर ग्लो करने और पेट की चर्बी कम करने के लिए प्रोडक्ट्स प्रमोट कर रहे हैं। हम सब कभी न कभी इससे गुजरे हैं। हम एक ऐसे पॉइंट पर पहुंच जाते हैं, जहां हम जो हैं वह कभी काफी नहीं होता।

भाई-बहन की तुलना पर क्या कहा?

भाई-बहनों से तुलना के बारे में बात करते हुए, संदीपा ने बताया, भारतीय परिवारों में हम लगातार तुलना से जूझते हैं. यही आप फिल्म में भी देखते हैं. मैंने इसे अपने भाई के साथ देखा है. बड़े होते हुए मेरी और उसकी लगातार तुलना की जाती थी. यह स्कूल टीचर के सामने पूछा जा सकता है. अगर आप अपने भाई के साथ एक ही स्कूल में हैं, तो टीचर हमेशा कहेंगे, तुम अपने भाई या बहन की तरह क्यों नहीं बन सकते? या आपकी मां कहेंगी, तुम अपने भाई की तरह ज्यादा क्यों नहीं बन सकते? ये बातें माता-पिता को पता नहीं होतीं कि यह ट्रॉमा हो सकता है. जब आप बड़े होते हैं, तो बच्चे एक खास तरह से व्यवहार करने लगते हैं. तुलना करना बहुत बुरी बात हो सकती है.

कुमाऊं की वादियां और माता-पिता का साथ; सेलिना ने याद किए बचपन के दिन

मुंबई । अभिनेत्री सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही। उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीफन और उदासी को व्यक्त किया।

सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र %पीटर की भारतीय पत्नी% के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, ÷पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रिया में बसीं, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया।÷ अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, ÷आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है।

मेट्रो बाजार

ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड लेनदेन वृद्धि में सरकारी बैंकों ने निजी बैंकों को पछाड़ा : रिपोर्ट

नई दिल्ली । ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड लेनदेन वृद्धि में सरकारी बैंकों ने जनवरी में निजी बैंकों को पीछे छोड़ दिया है। इस दौरान क्रेडिट कार्ड से कुल ऑनलाइन लेनदेन में सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि सरकारी बैंकों के लिए यह दर 31.5 प्रतिशत और निजी बैंकों के लिए 2.7 प्रतिशत रही है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रिपोर्ट में कहा गया कि क्रेडिट कार्ड खर्च जनवरी 2026 में सालाना आधार पर 8.1 प्रतिशत बढ़कर 2.05 लाख करोड़ रुपए हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी बैंकों ने बकाया कार्डों में साल-दर-साल आधार पर 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है - जो निजी बैंकों की तुलना में एक महत्वपूर्ण उछाल है। कुल क्रेडिट कार्ड लेनदेन में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जिसमें ई-कॉमर्स का कुल लेनदेन में 61 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। रिपोर्ट में बताया गया गया कि समीक्षा अवधि में एसबीआई ग्रुप का कार्ड बेस सालाना आधार पर 7 प्रतिशत बढ़कर 2.19 करोड़ पर पहुंच गया है। वहीं, दूसरी तरफ विदेशी बैंकों की ओर से जारी किए गए क्रेडिट कार्ड में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है, क्योंकि उनकी रणनीतियां प्रीमियम ग्राहकों पर केंद्रित हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि विवेकाधीन खरीदारी में साल के अंत में हुई बढ़ोतरी के बाद समग्र वृद्धि में कुछ नरमी के संकेत मिले हैं।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से कंपनियों के मुनाफे पर हो सकता है असर, इनपुट लागत भी बढ़ेगी

नई दिल्ली । कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारत में कंपनियों के मुनाफे पर असर हो सकता है, क्योंकि इससे कई सेक्टर्स में इनपुट लागत बढ़ जाएगी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट में कहा गया कि अगर इजरायल-ईरान युद्ध कुछ हफ्तों से ज्यादा समय तक चलता है तो भारत में कॉरपोरेट कंपनियों की आय में गिरावट आ सकती है, क्योंकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से सभी सेक्टर की इनपुट लागत बढ़ेगी।

रिपोर्ट में बताया गया कि ऊंची कच्चे तेल और गैस की कीमतों से अर्थव्यवस्था और बाजारों को भी खतरा है, क्योंकि इससे देश का चालू खाता घाटा बढ़ने की संभावना है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि मध्य पूर्व में तनाव से निवेशकों (विशेषकर विदेशी निवेशकों) का सेंटीमेंट प्रभावित होने शुरू हो गया है। विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में 3,752.52 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। हालांकि, घरेलू निवेशकों का बाजार को सपोर्ट बना हुआ है और इस दौरान उन्होंने 5,153.37 करोड़ रुपए का निवेश इक्विटी में किया। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत, जो अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तीव्र वृद्धि के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है, जिससे तेल संकट मौजूदा परिवेश में देश के लिए सबसे बड़े व्यापक आर्थिक जोखिमों में से एक बन गया है। ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि स्थिर स्थानीय इक्विटी निवेश और भारत की मध्यम अवधि की विकास संभावनाओं जैसे घरेलू कारक बाजारों को समर्थन देना जारी रख सकते हैं।

भोपाल में 35 पार हुआ पारा... इंदौर-उज्जैन संभाग भी रहे गर्म

भोपाल, एजेंसी

मार्च की शुरुआत में ही मध्य प्रदेश में गर्मी तेवर दिखा रही है। पारा सामान्य से 3 डिग्री तक उछल गया है। आज राजधानी भोपाल में अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री के पार पहुंच गया। वहीं, रात में 19 डिग्री रहा। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ी, जबकि ग्वालियर और जबलपुर भी गर्म रहे।

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले 4 दिन तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इसके असर से कुछ हिस्सों में मौसम बदल सकता है। यहां हल्की बारिश और बादल रह सकते हैं।

40 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा

मौसम विभाग की माने तो अगले 4 दिन के अंदर प्रदेश में अधिकतम तापमान 4 डिग्री तक बढ़ेगा। ऐसे में संभावना है कि मार्च के पहले ही पखवाड़े में प्रदेश में पारा 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा।

न्यूज विंडो

बादशाह का गाना हरियाणा की संस्कृति को धूमिल कर रहा: मंत्री ढांडा

मुंबई। बॉलीवुड सिंगर और रैपर बादशाह एक बार फिर अपने गाने को लेकर सुर्खियों में हैं और खूब आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। बीते 1 मार्च को बादशाह ने अपना 'टटीरी' नाम का एक गाना लॉन्च किया और इसमें स्कूल की ड्रेस में लड़कियों को डांस करा दिया है। साथ ही इसमें अपनी ऑटोट्यून लगाकर घटिया लिरिक्स ठूंस दिए। अब इसको लेकर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। बीते रोज बादशाह को हरियाणा के महिला आयोग ने नोटिस भेजा था और अब एक मंत्री ने भी उन्हें फटकार लगाते हुए राज्य की छवि धूमल करने का आरोप लगाया है। हरियाणा के मंत्री महिपाल ढांडा ने भी इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ऐसे गीत राज्य की संस्कृति को ठेस पहुंचाते हैं। मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा, 'इस तरह का गायन, जो हरियाणा की संस्कृति को धूमिल कर रहा है, उचित नहीं है। मामला सामने आते ही सरकार ने तुरंत कड़ा रुख अपनाया। इससे पहले दिन में, एचएससीडब्ल्यू की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा कि गाने के बोल अभद्र हैं और सांस्कृतिक सीमाओं और मर्यादा का उल्लंघन करते हैं, ऐसी शिकायतों के बाद पैनल ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया है।

बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष के समर्थन में आई टीएमसी

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर अब ममता बनर्जी की टीएमसी भी सहमत हो गई है। सूत्रों की मानें तो टीएमसी इस अविश्वास प्रस्ताव में विपक्ष का साथ देने को तैयार है। इससे पहले पार्टी ने अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष का साथ देने से इनकार कर दिया था। लोकसभा ने ओम बिरला को अध्यक्ष पद से हटाने से संबंधित प्रस्ताव पेश करने के लिए विपक्षी सदस्यों के एक नोटिस को सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया है। पीठासीन सभापति द्वारा बुलाए जाने पर सदन के 50 सदस्यों को खड़ा होना होगा और फिर नोटिस स्वीकृत माना जाएगा। इसके बाद प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान होगा। यदि 50 सदस्य नोटिस के समर्थन में खड़े नहीं होते हैं, तो प्रस्ताव पेश नहीं किया जा सकता है।

ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के मामले में पाकिस्तानी शख्स दोषी करार

वाशिंगटन। अमेरिका की एक कोर्ट ने ईरान से संबंध रखने वाले पाकिस्तानी व्यक्ति को ट्रंप समेत कई अमेरिकी राजनेताओं की हत्या की साजिश रचने के मामले में दोषी ठहराया है।

इस पाकिस्तानी शख्स ने 2020 में मारे गए ईरानी कुद्स फोर्स के कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए ये साजिश रची थी। पाकिस्तानी शख्स की पहचान 48 वर्षीय आसिफ रजा मर्चेंट के रूप में हुई है। आसिफ रजा मर्चेंट को ब्रुकलिन की कोर्ट ने हत्या के लिए सुपारी देने और राष्ट्रीय सीमाओं से परे आतंकवाद का कृत्य करने के प्रयास का दोषी पाया। मर्चेंट को आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने कहा कि दोषी आसिफ रजा मर्चेंट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश के साथ अमेरिका आया था। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आसिफ मर्चेंट, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (द्धत्र्नष्ट) का एक प्रशिक्षित सदस्य है और उसने मुकदमे के दौरान स्वीकार किया कि 2024 में आईआरजीसी ने उसे इन राजनीतिक हत्याओं को अंजाम देने के इरादे से अमेरिका भेजा था। उसने बताया कि संभावित लक्ष्यों में ट्रंप, पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ बाइडन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत निक्की हेली शामिल थे। मर्चेंट ने कहा था कि उसे लगता था कि ''निशाना ट्रंप थे''।

मतगणना अंतिम दौर में, भारत विरोधी केपी ओली की पार्टी का सफाया

नेपाल में बालेन शाह का प्रधानमंत्री बनना तय, 4 साल पुरानी पार्टी जीत के करीब

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

RSP ने अब तक 29 सीटें जीत ली हैं, जबकि 88 पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी CPN-UML ने अब तक सिर्फ 2 सीटें जीती हैं, जबकि सिर्फ 9 सीटों पर आगे हैं। केपी ओली खुद भी झापा-5 सीट पर बालेन शाह से 25 हजार वोटों से पीछे चल रहे हैं। उन्हें सिर्फ 10 हजार वोट मिले हैं, जबकि बालेन शाह को 39 हजार से ज्यादा वोट मिल चुके हैं। ओली ने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का चुनाव जीता था। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

नेपाल में 2 तरीके से सांसदों का चुनाव: नेपाल में चुनाव की व्यवस्था मिश्रित चुनाव प्रणाली पर आधारित है। यानी यहां दो तरीकों से सांसद चुने जाते हैं- सीधे चुनाव से और पार्टी को मिले कुल वोट के हिसाब से।

सीधा चुनाव (फर्स्ट पास्ट द पोस्ट): संसद की 275 में से 165 सीटों पर सीधे चुनाव होता है। हर इलाके (निर्वाचन क्षेत्र) में लोग अपने उम्मीदवार को वोट देते हैं। जिस उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट मिलते हैं, वही जीतता है।

वोट % के आधार पर सीटें (प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन): बाकी बची 110 सीटें पार्टियों को मिले कुल वोट प्रतिशत के आधार पर मिलती हैं। इसमें वोटर किसी उम्मीदवार को नहीं बल्कि किसी पार्टी को वोट देती है। पूरे देश में पार्टी को जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उसी हिसाब से उन्हें संसद में सीटें मिलती हैं। इस सिस्टम का मकसद यह है कि छोटे दलों और अलग-अलग सामाजिक समूहों को भी संसद में जगह मिल सके और कोई एक पार्टी पूरी तरह हावी न हो।

नेपाल चुनाव में इस बार सबसे कम वोटिंग

चुनाव आयोग के संशोधित आंकड़ों के मुताबिक नेपाल के आम चुनाव में कुल 58.07 प्रतिशत मतदान हुआ। नेपाल में 1990 में लोकतंत्र की बहाली के बाद अब तक 8 संसदीय चुनाव हो चुके हैं। इस बार सबसे कम वोटिंग दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार भक्तपुर जिले में सबसे ज्यादा मतदान हुआ। यहां दो निर्वाचन क्षेत्रों में 71.46 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। काठमांडू जिला पांचवें स्थान पर रहा, जहां 10 निर्वाचन क्षेत्रों में 67.01 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम मतदान अचम जिले में हुआ, जहां केवल 39.18 प्रतिशत वोट डाले गए।

'भारतीय अच्छे एक्टर...', रूसी तेल खरीदने पर ट्रंप के मंत्री ने की तारीफ, कांग्रेस भड़की

नई दिल्ली। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारत को रूसी तेल को खरीदने की इजाजत दे दी है। इस बढ़ते संघर्ष के कारण दुनियाभर में तेल सप्लाई में आई रुकावटों के बीच अमेरिका ने अस्थायी छूट देने का एलान किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के सहयोगी स्कॉट बेसेंट ने भारत को बहुत अच्छा एक्टर बताया है, क्योंकि भारत पहले रूस से तेल न खरीदने की बात मान ली थी और अब अमेरिका की छूट के बाद तेल खरीदेगा। फॉक्स बिजनेस से बात करते हुए, अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी बेसेंट ने कहा कि यह फैसला मौजूदा संकट के दौरान शॉर्ट-टर्म सप्लाई की दिक्कतों को कम करने के लिए लिया गया है। अमेरिका के रूस के तेल खरीदने की छूट से दुनियाभर के बाजार में सप्लाई का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। रूस का कच्चा तेल काफी समय से समुद्र में फंसा था, इसी रूसी कच्चे तेल की बिक्री भारत को जारी रखने की इजाजत मिल गई है।

कांग्रेस ने सरकार से मांगा जवाब: समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट की बात को दोहराते हुए कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री को कमजोर और स्के कदम को भारत के लिए अपमानजनक बताते हुए केंद्र से इस पर जवाब मांगा है। कांग्रेस ने आज शनिवार बेसेंट की बात पर कहा, 'यूनाइटेड स्टेट्स के ट्रेजरी सेक्रेटरी, स्कॉट बेसेंट के शब्द इजाजत? भारत के लिए? 1.4 बिलियन लोगों का देश, जो वॉशिंगटन की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। यह एक कॉम्प्रोमाइज्ड प्राइम मिनिस्टर की कीमत है।'

मिडिल ईस्ट जंग के बीच रियाद पहुंचे मुनीर

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर से मुलाकात की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बैठक में ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हालिया हमलों और उन्हें रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रिंस खालिद ने एक ङ्ग पोस्ट में लिखा, 'मैंने पाकिस्तान के आर्मी स्टाफ चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की। हमने ईरान के हमलों और उन्हें रोकने के उपायों पर चर्चा की, जो हमारे संयुक्त सामरिक रक्षा समझौते के दायरे में हुई। हमने जोर दिया कि ये कार्रवाइयां पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को नुकसान पहुंचा रही हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ईरानी पक्ष समझदारी दिखाएगा और किसी गलती से बचेगा।'

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सऊदी अरब अब ईरानी खतरों का मुकाबला करने के लिए अकेले नहीं लड़ना चाहता, बल्कि पाकिस्तान को मजबूर कर रहा है कि वह उसकी तरफ से लड़े। दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद संयुक्त सामरिक रक्षा समझौते के तहत सऊदी अरब अपने लिए लड़ने की खातिर पाकिस्तान को मजबूर कर सकता है।

JDU की बैठक में बोले सीएम नीतीश कुमार चिंता मत कीजिए, मैं बिहार में भी रहूंगा

पटना, एजेंसी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चाओं के बीच आज पटना में जदयू की अहम बैठक हुई। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित इस बैठक में पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पार्टी के अंदर चल रही अटकलों और नेताओं की चिंता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने खुद स्थिति स्पष्ट की और कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करने की कोशिश की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ कहा कि राज्यसभा जाने के बावजूद वे बिहार की राजनीति और प्रशासन से दूर नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार के काम पहले की तरह चलते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आप लोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी। हम बिहार में भी रहेंगे। सारा काम होते रहेगा। आप लोग चिंता मत करिए। हम राज्यसभा जा रहे हैं, लेकिन सब कुछ देखते रहेंगे।'

फैसले को लेकर सियासी हलचल तेज: नीतीश कुमार के संभावित राज्यसभा जाने की खबर सामने आने के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। जदयू के कई कार्यकर्ता और नेता इस फैसले को लेकर हैरानी जता रहे हैं। कुछ नेताओं ने इसके पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका भी जताई है। हालांकि मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि वे किसी दबाव में नहीं बल्कि अपनी इच्छा से राज्यसभा जाने का फैसला कर रहे हैं।

वही तय करेंगे कि आगे क्या करना है

बैठक से पहले केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेताने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जो लोग नीतीश कुमार के स्वभाव को नहीं जानते, वही इस तरह की बातें कर रहे हैं। ललन सिंह ने कहा कि आज तक किसी ने भी नीतीश कुमार से उनकी इच्छा के खिलाफ कोई फैसला नहीं कराया है। वे अपने फैसले खुद लेते हैं और वही तय करेंगे कि आगे क्या करना है।

अगला मुख्यमंत्री कौन, फैसला भी नीतीश ही करेंगे: ललन सिंह ने कहा कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह भी फैसला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही करेंगे। पार्टी में इस मामले को लेकर कोई भ्रम नहीं है।उन्होंने कहा कि जदयू पूरी तरह एकजुट है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ही आगे की राजनीतिक रणनीति तय की जाएगी।

मेट्रो एंकर | **विदेशों में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे सख्त कदमों बाद अब भारत में भी सख्ती**

नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की सुगबुगाहट तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

बच्चों और किशोरों में सोशल मीडिया की बढ़ती लत को अब ब्रिटेन जैसे देशों में 'सिगरेट' के समान खतरनाक माना जा रहा है। डिजिटल सुरक्षा को लेकर ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के कड़े रुख के बाद अब भारत में भी नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। हाल ही में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने प्रतिबंध की घोषणाएं की हैं, वहीं दिग्गज टेक कंपनियां इन पाबंदियों को रोकने के लिए अरबों रुपये खर्च कर रही हैं।

भारत में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर राज्य सरकारें आक्रामक रुख अपना रही हैं। कर्नाटक देश का पहला राज्य बन गया है जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने

विधानसभा में बजट पेश करते हुए यह अहम एलान किया। इसी तर्ज पर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने भी अगले 90 दिनों के भीतर 13 साल (या 16 साल) से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस बंद करने की घोषणा की है। इन राज्यों का तर्क है कि डिजिटल लत से बच्चों की मानसिक सेहत, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और सीखने की आदत पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

प्राथमिकता में है मामला

केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव भी साफ कर चुके हैं कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और समाज की सुरक्षा के लिए टेक कंपनियों के साथ गंभीर चर्चा चल रही है। सरकार वर्तमान में उम्र-आधारित एक्सेस कंट्रोल लागू करने पर विचार कर रही है। इसके अतिरिक्त, नए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) कानून में भी बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। भारत के आर्थिक सर्वेक्षण 2026-27 में भी सोशल मीडिया की लत पर गहरी चिंता जताते हुए उम्र के हिसाब से सीमाएं तय करने की आधिकारिक सिफारिश की गई है।

कई देशों ने सख्त प्रतिबंध लागू किए

बच्चों के लिए सोशल मीडिया को बैन करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया सबसे आगे है। ऑस्ट्रेलिया ने 10 दिसंबर 2025 से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर आधिकारिक प्रतिबंध लागू कर दिया है। नियमों के उल्लंघन पर कंपनियों को 33 मिलियन डॉलर (करीब 300 करोड़ रुपये) तक का जुर्माना देना होगा। इसके अलावा, फ्रांस की नेशनल असेंबली ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का बिल पास कर दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564